राष्ट्रीयशिक्षानीति: 2020

सिद्धार्थविश्वविद्यालय: कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगरम्

षण्मासससत्राधारितसंस्कृतस्य स्नातकपरास्नातकप्राक्शोधपाठ्यक्रम:

UG, PG & Pre-Ph.D Course Work,

Sanskrit Semester Based Syllabus - NEP 2020

पाठ्यक्रम समिति की बैठक (दिनांक 07.08.2025) द्वारा संशोधित

Department of Sanskrit

Siddharth University, Kapilvastu

Siddharthnagar, Uttar Pradesh, India- 272202

पाठ्यक्रम परिचय

Programme Outcomes (POs) -

- विद्यार्थियों को लेखन वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उन में प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं के (गद्य, पद्य,नाटक व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत भाषा के मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र ज्योतिष नित्य नियमितिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीव को उपार्जन के योग्य अवसर प्राप्त होंगे
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता की अनुभूति कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीतिशास्त्र, एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

विषय- संस्कृत स्नातक स्तर

संस्कृत स्नातक स्तर का यह 4 वर्षीय पाठ्यक्रम है, जो आठ सेमेस्टर में विभक्त है। इस पाठ्यक्रम के **प्रथम वर्ष** में छात्र को **प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर** में (6+6) 12 क्रेडिट के संस्कृत के एक-एक मेजर पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा। **द्वितीय वर्ष** में भी **तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर** में (6+6) 12 क्रेडिट के एक-एक मेजर पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा।

तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर में (5+5) 10 क्रेडिट के संस्कृत विषय के दो मेजर पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा। **तृतीय वर्ष षष्ठम सेमेस्टर** में छात्र को (5+5) 10 क्रेडिट के संस्कृत विषय के दो मेजर पाठ्यक्रम पढ़ने होंगे, जिसमें प्रथम प्रश्न पत्र सभी के लिए अनिवार्य होगा तथा द्वितीय प्रश्न पत्र के तीन वैकल्पिक प्रश्न पत्रों में से किसी एक का अध्ययन करना होगा।

चतुर्थ वर्ष सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर में क्रमश: 5-5 प्रश्न पत्रों (प्रत्येक 4 क्रेडिट) का अध्ययन करना होगा। प्रत्येक वर्ष के सभी सेमेस्टर में सभी प्रश्न पत्रों की 75-75 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 25-25 अंकों की आन्तरिक परीक्षा होगी। आन्तरिक परीक्षा में छात्र को (10+10+5=25 अंक) 25 अंक क्रमशः असाइनमेंट, लिखित तथा उपस्थिति एवं आचरण व्यवहार के आधार पर मूल्यांकन कर प्रदान किये जायेंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में उत्तीर्णांक 40% होगा। प्रथम, द्वितीय तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के प्रत्येक सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर अध्येता क्रमश: स्नातक सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं डिग्री विद आनर्स के लिए अर्ह होंगे।

यदि किसी अध्येता द्वारा प्रथम तीन वर्ष में 75% से अधिक अंक अर्जित किया जाता है तो उसे सीधे चतुर्थ वर्ष के स्नातक डिग्री आनर्स विद रिसर्च के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। जिसमें छात्र द्वारा 4-4 क्रेडिट के चार प्रश्न पत्रों का अध्ययन किया जायेगा तथा दोनों सेमेस्टर में 4 क्रेडिट का एक-एक लघु शोधप्रबन्ध जमा करना होगा। इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने पर अध्येता को स्नातक डिग्री विद आनर्स विद रिसर्च की उपाधि प्रदान की जायेगी। प्रथम तीन वर्ष में 75% से कम अंक अर्जित करने वाले अध्येता इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र नहीं होंगे।

विषय- संस्कृत परास्नातक स्तर

पंचम वर्ष के दोनों सेमेस्टर 20+20=40 क्रेडिट के होंगे। इसमें नवम एवं दशम सेमेस्टर के दो अनिवार्य प्रश्न पत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र प्रत्येक सेमेस्टर में कुल चार प्रश्नपत्रों (कुल 16+16=32 क्रेडिट) एवं एक-एक लघु शोधप्रबन्ध (4+4=8 क्रेडिट) का जमा करना होगा।

<u>अवधेय- वैकल्पिक प्रश्नपत्रों की दो तालिकाएं I एवं II होंगी, जिसमें से प्रथम तालिका में चयनित प्रश्न पत्र ही द्वितीय तालिका से चयन कर अध्ययन करना होगा।</u>

इसमें प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन के प्रत्येक प्रश्नपत्र के 25 अंक शामिल होंगे जो (10+10+5=25 अंक) क्रमशः असाइनमेंट, लिखित तथा उपस्थिति एवं आचरण व्यवहार के आधार पर मूल्यांकन कर प्रदान किये जायेंगे। इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात अध्येता परास्नातक डिग्री के लिए अर्ह होगा।

विषय- अनुसन्धान में परास्नातक डिप्लोमा

(Pre. Ph.D Course Work)

षष्ठम वर्ष के 11वें सेमेस्टर में कुल 16 क्रेडिट होंगे। अध्यता को इस सेमेस्टर में कुल पांच प्रश्न पत्रों का अध्ययन करना होगा, जिसमें चार प्रश्न पत्र (4 x 2=8 क्रेडिट के तथा पांचवां प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा, साथ ही साथ अध्येता को 4 क्रेडिट का एक लघु शोध प्रबंध भी जमा करना होगा। इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात अध्येता अनुसन्धान में परास्नातक डिप्लोमा, PGDR (Post Graduate Diploma in Research) के लिए अर्ह होगा।

विषय- विद्यावारिधि

षष्ठम वर्ष 12वें, सप्तम वर्ष 13-14वें एवं अष्टम वर्ष 15-16वें सेमेस्टर में छात्र यदि अध्ययन करता है और अपना शोध प्रबंध पूर्ण करता है तो वह संस्कृत विषय में विद्या वारिधि की उपाधि हेतु अर्ह होगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उ०प्र०-272202

website-www.suksn.edu.in

संस्कृत विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए स्नातक (बी०ए०) संस्कृत पाठ्यक्रम के सेमेस्टरगत प्रश्नपत्र (07 अगस्त 2025) को पाठ्यक्रम समिति द्वारा संशोधित)

स्नातक (मुख्य) पाठ्यक्रम

(उ०प्र० सरकार, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सी०बी०सी०एस० के अनुरूप)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	प्रश्नपत्र का स्वरुप	सिद्धान्त/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट	टिप्पणी
प्रथम	I	BSNC101	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	6	Certificate
	I	BSNM102	संस्कृत सौरभ	माइनर	सैद्धान्तिकम्	6	
	II	BSNC111	संस्कृत गद्य साहित्य एवं अनुवाद	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	6	
द्वितीय	III	BSNC201	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	6	Diploma
	III	BSNM202	संस्कृत साहित्य मंजूषा	माइनर	सैद्धान्तिकम्	6	
	IV	BSNC211	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	6	
तृतीय	V	BSNC301	वैदिक वांग्मय एवं भारतीय दर्शन	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	5	Degree
		BSNC302	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	5	
	VI	BSNC311	आधुनिक संस्कृत साहित्य	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	5	
		BSNE312A	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	5	
		BSNE312B	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	5	
		BSNE312C	नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	5	
चतुर्थ	VII	BSNC401	वैदिक संहिता एवं भाष्यभूमिका	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC402	व्याकरणभाषाविज्ञानम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	

		BSNC403	काव्यशास्त्रम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	UG degree With Hounors
		BSNC404	न्यायवैशेषिकदर्शनम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC405	काव्यम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
	VIII	BSNC411	वेदोपनिषद्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC412	व्याकरणपालिप्राकृतापभ्रंश:	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC413	काव्यशास्त्रालङ्कार:	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC414	सांख्यवेदान्तदर्शनम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC415	चम्पूकाव्यं नाटकञ्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
OR (students who secure 75% marks in first six semesters are eligible for UG degree (hounors with research)							
चतुर्थ	VII	BSNC401	वैदिक संहिता एवं भाष्यभूमिका	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	UG degree (Hounors With Research)
		BSNC402	व्याकरणभाषाविज्ञानम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC403	काव्यशास्त्रम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC404	न्यायवैशेषिकदर्शनम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNP405	लघुशोधप्रबन्ध:	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्	4	
	VIII	BSNC411	वेदोपनिषद्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC412	व्याकरणपालिप्राकृतापभ्रंश:	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC413	काव्यशास्त्रालङ्कार:	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNC414	सांख्यवेदान्तदर्शनम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		BSNP415	लघुशोधप्रबन्ध:	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्	4	
पञ्चम	IX	MSNC501	महाभाष्यं स्वशास्त्रीयनिबन्धश्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNC502	भारतीयसंस्कृति: पर्यावरणञ्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		तालिका-I (छात्र A-वेद, B- व्याकरण, C-साहित्य और D- दर्शन में से किसी एक वर्ग के प्रश्नपत्र का अध्ययन कर सकता है।)					

		MSNE503A	संहिता ब्राह्मणयज्ञश्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE503B	प्रक्रिया	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE503C	काव्यं नाट्यशास्त्रञ्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE503D	न्यायवैशेषिकसिद्धान्तः	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		तालिका-II (तालिका I में चयनित वर्ग के ही प्रश्नपत्र का अध्ययन इस तालिका में से करना अनिवार्य है।)					
		MSNE504A	वेदाङ्गानि	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE504B	व्याकरणदर्शनम्	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE504C	गद्यपद्यकाव्यम्	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE504D	बौद्धमीमान्सादर्शनञ्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNP505	लघुशोधप्रबन्धः	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्	4	
	X	MSNC511	व्याकरणमनुवादश्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	PG DEGREE
		MSNC512	आधुनिकसंस्कृतकाव्यम्	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		तालिका-I (छात्र A-वेद, B- व्याकरण, C-साहित्य और D- दर्शन में से किसी एक वर्ग के प्रश्नपत्र का अध्ययन कर सकता है।)					
		MSNE513A	संहिता एवञ्च ब्राह्मणमीमांसा	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE513B	व्याकरणसाहित्येतिहासः	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE513C	रूपकं छन्दांसि	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE513D	न्यायसूत्रयोगदर्शनञ्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		तालिका-II (तालिका I में चयनित वर्ग के ही प्रश्नपत्र का अध्ययन इस तालिका में से करना अनिवार्य है।)					
		MSNE514A	वेदाङ्गानुक्रमणी	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNE514B	परिभाषालकारमीमांसा	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNC514C	काव्यमीमांसागद्यकाव्यञ्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		MSNC514D	माण्डूक्यकारिकशाङ्करवेदान्तश्च	वैकल्पिकम्	सैद्धान्तिकम्	4	

		MSNP515	लघुशोधप्रबन्धः	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्	4	
षष्ठम	XI	DSNC601C	वैदिकसाहित्ये अनुसन्धानाय उपागमाः नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	2	PGDR IN SUBJECT
		DSNC602C	पुराणेतिहास-धर्मशास्त्रागमे चानुसन्धाय उपागमाः नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	2	
		DSNC603C	पालि-संस्कृतसाहित्ययोः अनुसन्धानाय मूलतत्त्वानि नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	2	
		DSNC604C	प्राचीननव्यव्याकरणयोः नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयः	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	2	
		DSNC605C	शोधप्रविधिः पाण्डुलिपिविज्ञानञ्च	अनिवार्यम्	सैद्धान्तिकम्	4	
		DSNP605	लघुशोधप्रबन्धः	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्	4	
षष्ठम सप्तम एवं अष्टम	XII-XVI	DSNR606	शोधप्रबन्धः	अनिवार्यम्	क्रियात्मकम्		PH.D IN SUBJECT

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर-272202

website-www.suksn.edu.in

Programs /Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग – सर्टिफिकेट	Year: First वर्ष-प्रथम	Semester: I सेमेस्टर - प्रथम
विषय- संस्कृत		
BSNC101	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	

Course Outcomes: अधिगम/ उपलब्धि

विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का परिचय प्राप्तकर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे। वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे। उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, एवं अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित। पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगें। विद्यार्थियों के शब्दकोष में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोंकों के शुद्ध एवं सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण होंगें। संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्तकर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे। संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विक्स होगा। स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझकर पृथक अर्थावगमनकी क्षमता उत्पन्न होंगी । स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credit - 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures
I	(क) संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान विज्ञानं एवं राष्ट्रगौरव- वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय । (ख) संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय एवं पद्य काव्य की परम्परा, प्रमुख आचार्य – महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ, श्रीहर्ष एवं जयदेव ।	12

II	किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग (1-25 पद्य पर्यन्त) नीतिशतकम् - (1-25 पद्य पर्यन्त) (व्याख्यात्मक एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	24
III	कुमारसम्भवम् - (1-30 पद्य पर्यन्त) (व्याख्यात्मक एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
IV	संज्ञाप्रकरणम् – (लघुसिद्धांतकौमुदी)	12
V	अच्सन्धि - (यण्, गुण, वृद्धि, अयादि, दीर्घ, पूर्वरूप एवं पररूप) सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि	10
VI	हल्सन्धि - (मोऽनुस्वारः सूत्रपर्यन्त) विसर्ग सन्धि - ('विप्रतिषेधे परं कार्यम्' सूत्र पर्यन्त) (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि)	20

संस्तुत ग्रन्थ-

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण जुलाई 1981
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दनशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली जनवरी 2014
- किरातार्जुनीयम्, महाकाव्य अनु० श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संवत् 2028 (1971)
- कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 2015
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम् भर्तृहरि (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, जनवरी 2017
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2013

Programs /Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग – सर्टिफिकेट	Year: First वर्ष-प्रथम	Semester: सेमेस्टर - प्रथम
विषय – संस्कृत माइनर		
प्रश्नपत्र कोड –BSNM102	**प्रश्नपत्र शीर्षक - संस्कृत सौरभ**	

Course Outcomes: अधिगम/ उपलब्धि

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय जैसे वेद वेदांग ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद् आदि के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्तकर भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित हो सकेगा। संस्कृत भाषा का प्रयोग सामान्य बोलचाल की भाषा में प्रयोग कर सकेगा। संस्कृत भाषा के व्याकरण के नियमों, अजन्त, हलन्त शब्दों का तीनों लिंगो में परिचय, सामान्य बोलचाल की भाषा में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण प्रत्ययों एवं सुभाषितों आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। जीवनोपयोगी मन्त्रों, स्त्रोत्रों एवं संस्कृत संख्यायों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

Credit - 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वैदिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय- वेद, वेदांग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक एवं उपनिषद्।	15
II	माहेश्वर सूत्र, वर्णों का उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर तथा वाह्य प्रयत्न, संज्ञा परिचय (इत्, लोप, ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत, अनुनासिक, संयोग एवं पद)	15
III	अजन्त एवं हलन्त शब्द का तीनों लिङ्गों में परिचय एवं वाक्य प्रयोग, महत्त्वपूर्ण प्रत्ययों (तव्यत् अनीयर् त्त्वा, तुमुन् एवं ल्यप्) का उदाहरण सहित सामान्य ज्ञान।	15
IV	संस्कृत सुभाषित परिचय एवं पद्य संग्रह (सुभाषितसंग्रह) (पं० वासुदेव द्विवेदी)	20
V	जीवनोपयोगी श्लोकों तथा प्रमुख स्तोत्रों का ज्ञान (जलशुद्धि मंत्र, शरीरशुद्धि मंत्र, आसनशुद्धि मंत्र, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, शिवपंचाक्षरस्तोत्र एवं गणेश मंत्र)	15
VI	संस्कृत में 1 से 100 तक संख्या ज्ञान एवं सहस्र, लक्ष, कोटि अर्बुदम् आदि का सामान्य ज्ञान ।	10

संस्तुत ग्रन्थ-

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
- अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, जनवरी 2023
- अनुवाद चन्द्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017
- अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी०एस०आप्टे, (अनु०) उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, पं० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008

Programs /Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग : सर्टिफिकेट	Year First वर्ष- द्वितीय	Semester: II सेमेस्टर द्वितीय
विषय – संस्कृत		
BSNC111	**संस्कृत गद्य साहित्य एवं अनुवाद**	

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि-

विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर गद्य काव्य के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे। सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा। राष्ट्रशक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे। उनके अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी। संस्कृत गद्य के धारा प्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों कि भावना का संचार होगा।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No.of Lectures व्याख्यान संख्या
I	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास	10
II	प्रमुख संस्कृत गद्यकार - बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, शूद्रक, अम्बिकादत्त व्यास	10
III	शुकनासोपदेश:, लक्ष्मीचरित्र वर्णन पर्यन्त (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
IV	शिवराजविजयम् प्रथम निश्वास (व्याख्या)	15
V	विभक्त्यर्थप्रकरणम् (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	20
VI	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद तथा संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	20

संस्तुतग्रन्थ-

- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट. (संपा.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण, 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार, मेरठ, 2015
- शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2017
- शिवराजविजयम्, डॉ. रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1 जनवरी 2017
- शिवराजविजयम्, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन 2017
- शिवराजविजयम् डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ 1956
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1 जनवरी 2017
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
- अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, जनवरी 2023
- अनुवाद चन्द्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017
- अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी०एस०आप्टे, (अनु०) उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, पं० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011

Programs /Class: Diploma कार्यक्रम/वर्ग : डिप्लोमा	Year Second वर्ष- द्वितीय	Semester: III सेमेस्टर : तृतीय
विषय – संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड – BSNC201	**प्रश्नपत्र शीर्षक - संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	
Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे। नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे। नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे। संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे। नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी। भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसातकर, भारतीयता के गर्वबोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे। व्याकरणपरक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।		
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%	
Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.		

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No.of Lectures व्याख्यान संख्या
I	नाट्य साहित्य परंपरा तथा प्रमुख नाटककार का परिचय (भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण एवं विशाखदत्त)	8
II	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-2 अंक)	20
III	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3-4 अंक)	18
IV	अजन्तप्रकरणम् (लघुसिद्धांत कौमुदी) पुल्लिंग- राम, सर्व, हरि, सखि, स्त्रीलिंग - रमा मति, नपुंसकलिंग – ज्ञान, वारि (सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि)	22
V	हलन्तप्रकरणम् (सामान्य परिचय एवं रूप स्मरण) पुल्लिंग - इदम्, राजन्, तद, अस्मद एवं युष्मद स्त्रीलिंग – किम् एवं इदम् नपुंसकलिंग – इदम्,	10
VI	समासकरणम् (लघु सिद्धान्तकौमुदी) (सोदाहरण सूत्र व्याख्या)	12

संस्तुत ग्रन्थ-

- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद, 1 जनवरी 2021
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर, अक्टूबर 1998
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा, 1981
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. गंगा सहाय प्रेमी, साहित्य सरोवर प्रकाशन, 2020
- संस्कृत नाटक : उद्भव और विकास, डॉ. ए०बी० कीथ, अनु० उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, 1975
- नाट्यसाहित्य का इतिहास और नाट्यसिद्धान्त, जयकुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), मैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2022
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा 2020

Programs /Class: Diploma कार्यक्रम/वर्ग : डिप्लोमा	Year Second वर्ष- द्वितीय	Semester: III सेमेस्टर : तृतीय
विषय – संस्कृत माइनर		
BSNM202	संस्कृत साहित्य मंजूषा	

Course outcomes अधिगम उपलब्धि-

विद्यार्थी संस्कृत साहित्य एवं उसके शास्त्रीय तत्त्वों से परिचित हो सकेंगें। संस्कृत साहित्य के महाकाव्यों नाटकों एवं कथाओं में प्रतिपादित लोक-कल्याणकरी भावनाओं से प्रेरित हो सकेंगे। श्रीमद्भगवतगीता के सांख्य योग अध्याय में वर्णित आत्मा के स्वरूप, बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों एवं न्याय दर्शन में प्रतिपादित प्रमाण विमर्श का विवेचन कर सकेंगें ।काव्य शास्त्रीय अलंकारों के वैशिष्ट्य से परिचित होकर काव्य रचना कौशल का ज्ञान प्राप्तकर सकेंगे ।संस्कृत व्याकरण के कारक विभक्ति एवं स्वर संधियों का ज्ञान प्राप्त करेंगें ।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	संस्कृत साहित्य का इतिहास – रामायणम्, महाभारतम्, पंचतंत्रम्, हितोपदेशः, रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, कादम्बरीकथामुखम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सामान्य परिचय)	12
II	साहित्यदर्पण से अलंकार (लक्षण एवं उदाहरण) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा एवं उत्प्रेक्षा	15
III	स्वर सन्धि प्रकरण का सामान्य परिचय (दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण् तथा अयादि सन्धि)	15
IV	कारक एवं विभक्ति का उदाहरण सहित सामान्य परिचय एवं अनुप्रयोग	18
V	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2, आत्मास्वरूप वर्णन श्लोक सं० 1- 30 तक)	15
VI	बौद्ध दर्शन के सिद्धान्त (चार आर्यसत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद) एवं न्यायदर्शन में प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द) सामान्य परिचय	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), मैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2022
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1961
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 2020
- लघुसिद्धांतकौमुदी (भैमी व्याख्या), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन लाजपत राय मार्केट, नई दिल्ली, संस्करण 2009
- भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास प्रथम संस्करण 1990
- सर्वदर्शनसंग्रह, माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली, 2020
- श्रीमद्भगवद्गीता- गीता प्रेस गोरखपुर, 2014
- श्रीमद्भगवद्गीता (यथारूप), कृष्णकृपा मूर्ति, भक्तिवेदान्त बुक ट्रस्ट, संस्करण 1 जनवरी 2019
- वृत्तरत्नाकर, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, तृतीय संस्करण 1972

Programs /Class: Diploma कार्यक्रम/वर्ग : डिप्लोमा	Year Second वर्ष- द्वितीय	Semester: IV सेमेस्टर : चतुर्थ
विषय – संस्कृत		
BSNC211	**काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे । छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे। संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे। कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा। शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी । व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा। विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा। संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी। अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-90, Per week (in hours): 6 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा तथा प्रमुख काव्य शास्त्रीय ग्रन्थ एवं आचार्य का परिचय - भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, कुन्तक, क्षेमेंद्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ।	10
II	साहित्यदर्पण: (1-2 परिच्छेद)	25
III	साहित्यदर्पण: (तृतीय परिच्छेद) - रस निरूपण पर्यन्त	10
IV	अलंकार (साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलंकार) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति ।	10
V	छन्दोमंजरी से अधोलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण- अनुष्टुप् , आर्या, वंशस्थम्, द्रुतविलंबितम्, भुजंगप्रयातम्, बसंततिलका, इंद्रवज्रा, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्।	25
VI	सम-सामयिक एवं स्व-शास्त्रीय निबन्ध लेखन एवं पत्र लेखन	10

संस्तुत ग्रन्थ-

- साहित्यदर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2013
- साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी 2016
- साहित्यदर्पण, राज किशोर सिंह प्रकाशक केंद्र, लखनऊ 2020
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो. राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन 2017
- गंगादास कृत छन्दोमंजरी, डॉ० ब्रहमानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2017
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : डिग्री	Year Third वर्ष- तृतीय	Semester: V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय – संस्कृत		
BSNC301	**प्रथम प्रश्नपत्र - वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा। वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा। उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा। औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूतक संस्कृति से परिचित होंगे। वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा। भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध होगा। दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा । दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी। भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे । गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग)	08
II	ऋग्वेद संहिता- अग्नि सूक्त (1.1), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), यजुर्वेद संहिता- शिव संकल्प सूक्त अथर्ववेद संहिता पृथ्वी सूक्त (12.1, 1 से 12 मन्त्र)	25
III	ईशावास्योपनिषद् (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10
IV	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय- नास्तिक दर्शन- चार्वाक, जैन और बौद्ध। आस्तिक दर्शन- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदांत (परिचयात्मक प्रश्न)	12
V	श्रीमद्भगवतगीता- द्वितीय, तृतीय एवं नवम अध्याय) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	20

संस्तुत ग्रन्थ-

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ शिव प्रसाद द्विवेदी चौखंबा, वाराणसी 2011
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994
- ऋग्वेद संहिता राम गोविंद त्रिवेदी चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2016
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ 1960
- ऋक्सूक्त सौरभ, देवेन्द्र नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 1916
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन 2016
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- डॉ० कपिलदेव द्विवेदी 2021
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ, 2021
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. हंसराज अग्रवाल, चौखंबा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी 1981
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन 2010
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009
- श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. दासगुप्ता (अनु) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर, 1978

Programs /Class: Diploma कार्यक्रम/वर्ग : डिप्लोमा	Year : Third वर्ष- तृतीय	Semester: V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय – संस्कृत		
BSNC302	द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।

भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।

ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृहि विकसित होगी।

पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।

संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	तिङन्तप्रकरणम् (लघुसिद्धान्त कौमुदी) भू, गम्, एध् (लट् लकार मात्र) (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	20
II	कृदन्तप्रकरणम् (लघुसिद्धान्त कौमुदी) कृत्य प्रत्यय - तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत् कृत् प्रत्यय - तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्त्वतु, शतृ, शानच्, ण्वुल, तृच्- णिनि (प्रकृति-प्रत्यय निर्धारण एवं वाक्य प्रयोग)	13
III	तद्धितप्रकरणम् (अपत्यार्थ), लघुसिद्धान्त कौमुदी- प्रकृति प्रत्यय निर्धारण एवं वाक्य प्रयोग।	12
IV	स्त्रीप्रत्यय: (लघुसिद्धान्त कौमुदी)- टाप् एवं ङीप् प्रत्यय (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)।	15
V	भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान के मुख्य अंग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली भाषा विभाषा) भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्त, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन 2022
- लघुसिद्धान्त डॉ रामकृष्ण आचार्य विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 2020
- लघुसिद्धान्त, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल, बनारसी दास 2021
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद 1977

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : डिग्री	Year : Third वर्ष- तृतीय	Semester: VI सेमेस्टर : षष्ठम
विषय – संस्कृत		
BSNC311	प्रथम प्रश्नपत्र - आधुनिक संस्कृत साहित्य	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।

आधुनिक संस्कृत साहित्य के बालसाहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत शिक्षण के सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।

आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरण प्राप्त होगी।

आधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय - प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो० हरिदत्त शर्मा, प्रो० हर्षदेव माधव, प्रो० वनमाली विश्वाल, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी।	10
II	आधुनिक महाकाव्य - प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र प्रणीत महाकाव्य 'जानकीजीवनम्' प्रथम सर्ग सम्पूर्ण (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) ।	20
III	आधुनिक नाटक - प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी कृत प्रेक्षण-सप्तकम् (एकांकी) सम्पूर्ण ।	12
IV	संस्कृत उपन्यास - 'पद्मिनी' (प्रथमे प्रकाशे प्रथमो विकासः) मोहन लाल शर्मा पाण्डेय	13
V	संस्कृत कथा- कथामुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः)- पण्डिता क्षमाराव	20

संस्तुत ग्रन्थ-

- कथामुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) P.J. Pandya for N.M.Tripathi Ltd, Princess Street, Bombay-2 1877
- जानकीजीवनम् प्रथम सर्ग, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, बैजयन्त प्रकाशन, 8 बाघम्बरी मार्ग, भारद्वाजपुरम् इलाहाबाद ऑनलाइन पी. डी. एफ. उपलब्ध ...
- प्रेक्षण-सप्तकम् (एकांकी), प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, शक्तिनगर, नई दिल्ली 1997
- 'पद्मिनी' (प्रथमे प्रकाशे प्रथमो विकासः) - मोहन लाल शर्मा पाण्डेय ऑनलाइन पी. डी. एफ. उपलब्ध ...

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : डिग्री	Year : Third वर्ष- तृतीय	Semester: VI सेमेस्टर : षष्ठम
विषय – संस्कृत		
BSNE312A	द्वितीय प्रश्नपत्र - योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (वैकल्पिक)	

Course outcomes : अधिगम/उपलब्धि-

भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।

योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।

योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।

योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा होंगे स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits: 6	Optional/वैकल्पिक
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	योग की अवधारणा उपयोगिता एवं महत्व प्रमुख आचार्य एवं उनके ग्रंथ का सामान्य परिचय	10
II	योगसूत्र- समाधि पाद (सूत्र 1 से 15 तक)	10
III	योगसूत्र - साधना पाद (सूत्र 29 से 40 तक) योगसूत्र- विभूति पाद (सूत्र 1 से 10 तक)	20
IV	घेरण्ड संहिता - प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 15) घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 16 से 32)	20
V	घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) सिद्धासन, पद्मासन, मुक्तासन, वज्रासन, सिंहासन घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) वीरासन, धनुरासन, मृतासन, पश्चिमोत्तानासन, भुजङ्गासन	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- पातंजलयोगदर्शनम् - पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योग दर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर 2001
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुरेश चंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2021
- घेरंड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीतांबरा पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश 2019
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार, 2019
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, सुभाष विद्यालंकार, ज्ञान भारती पब्लिकेशन दिल्ली, 2019
- योग विज्ञान स्वरुप परम्परा एवं प्रयोग, सीताराम झा (श्याम), प्रकाशन विभाग, 2021
- मैत्री भावना- मानसिक स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन का चमत्कारिक योग, कमलाकर मिश्र, काशी योग एवं मूल्य शिक्षा संस्था वाराणसी, 2009
- भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास प्रथम संस्करण 1990
- सर्वदर्शनसंग्रह, माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली, 2020

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : डिग्री	Year : Third वर्ष- तृतीय	Semester: VI सेमेस्टर : षष्ठम
विषय – संस्कृत		
BSNE312B	द्वितीय प्रश्नपत्र - आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	

Course outcomes : **अधिगम/उपलब्धि-**

भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।

मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।

वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।

अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits: 6	Optional/वैकल्पिक
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र	10
II	आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद का सामान्य परिचय	10
III	चरक संहिता (सूत्र स्थानम्) - प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92) चरक संहिता (सूत्र स्थानम्) - प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यंत)	20
IV	चरक संहिता (सूत्र स्थानम्) - नवम अध्याय चरक संहिता – (सूत्र स्थानम्) दशम अध्याय	20
V	अष्टांगहृदयम् – वाग्भट (सूत्रस्थानम्)- प्रथम अध्याय 1-44	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- चरक संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा प्रकशन वाराणसी, 2018
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंबा चौखंबा प्रकशन, वाराणसी 2017
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : डिग्री	Year : Third वर्ष- तृतीय	Semester: VI सेमेस्टर : षष्ठम
विषय – संस्कृत		
BSNE312C	द्वितीय प्रश्नपत्र - नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान	

Course outcomes : अधिगम/उपलब्ध

विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं धार्मिक मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।

नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकार जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।

भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी भारतीय उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।

सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सकुशल एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: 6	Optinal/(वैकल्पिक)
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40%

Total No. of Lectures-75, Per week (in hours): 5 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	नित्य नैमित्तिक कर्म का स्वरूप (प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या तर्पण, पञ्चयज्ञ, देवयज्ञ, पितृ यज्ञ तथा भूतयज्ञ)	10
II	नित्य नैमित्तिक कर्म विधि - स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी- गणेश पूजन, तथा वरुण कलश स्थापन षोडशोपचार पूजन, कुशकण्डिका विधि, कुण्डनिर्माण, तथा होम विधि	20
III	रुद्राभिषेक, महामृत्युन्जय जप, नवचंडी विधान, नवग्रह शान्ति, दु:स्वप्न शान्ति तथा वैध्व्योपशान्ति	20
IV	प्राग्जन्म, जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चोलकर्म संस्कार	15
V	गृहारम्भ तथा गृह प्रवेश	10

संस्तुत ग्रन्थ-

- पारस्करगृह्यसूत्र, संपादक सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2023
- कर्म कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
- कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
- आपस्तम्बीय कर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2016
- हिंदू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 1995
- धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ 2014
- संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली, 2025
- पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2022
- नित्यकर्म पूजा प्रकाश, पं० लालबिहारी मिश्र, गीता प्रेस गोरखपुर, 2023
- धर्मशास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC401	**प्रथमप्रश्नपत्रम् – वैदिक संहिता एवं भाष्यभूमिका**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक साहित्य एवं संहिता का व्यापक परिचय देना है। इस पाठ्यक्रम में ऋग्वेद एवं ऋग्वेद भाष्य भूमिका के कुछ महत्वपूर्ण स्तोत्र तथा महत्वपूर्ण संवाद सूक्त शामिल हैं, जिसके माध्यम से छात्र प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति को समझ सकेंगे।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्र को कुछ वैदिक देवताओं की प्रकृति, क्रिया और प्रतिनिधित्व के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा। वैदिक मन्त्रों के अर्थ की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। प्राचीन और आधुनिक टीकाकारों की कुछ प्रसिद्ध टिप्पणियों के अनुसार वैदिक मंत्रों को उनके वास्तविक रूप में पढ़ने का प्रयास करेंगे। वैदिक छंदों एवं वेदों की स्वर प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

Credits: 4	**Core Compulsory/ अनिवार्यम्**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदः- वरुणसूक्तम् (१.२५), सवितृसूक्तम् (१.३५), सूर्यसूक्तम् (१.१५१)	15
II	ऋग्वेदः - उषस् सूक्तम् (३.६१) पर्जन्यसूक्तम् (५.८३) वाक्सूक्तम् (१०.१२५)	15
III	विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम् (३.३३), यम-यमी संवादसूक्तम् (१०.१०)	15
IV	सरमा-पणिसंवादसूक्तम् (१०.१०८), पुरुरवा-उर्वशीसंवादसूक्तम्	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- ऋक्सुक्तसङ्ग्रहः, डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ, संस्करण- 1960
- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर, संस्करण- 2021
- वेदचयनम्, विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 1984
- ऋग्वेद संहिता, पं. दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, 2019
- वैदिक व्याकरण, डॉ. रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण- 2022
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो. बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर काशी, संस्करण-1958
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2000
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. रघुवीर वेदालंकार, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2017
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्वप्रकाशन, संस्करण-2021

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC402	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणभाषाविज्ञानम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

यह पाठ्यक्रम छात्रों को दर्शन एवं आधुनिक भाषाविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण अवधारणा एवं सिद्धान्तों का साक्षात्कार कराता है और उनके प्रकाश में संस्कृत भाषा को देखने और उसका विश्लेषण करने में उनकी मदद करता है | पाठ्यक्रम शिक्षार्थी को संस्कृत ध्वन्यात्मकता, आकृति विज्ञान, वाक्य रचना और शब्दार्थ से परिचित कराएगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अष्टाध्यायी यानी महाभाष्य की कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण अवधारणाओं के बारे में बताता है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद छात्र आधुनिक भाषा विज्ञान के आगमन के साथ हुई संस्कृत भाषा का अवलोकन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की मूल अवधारणा और भाषा परिवर्तन के नियम और संस्कृत में उनके अनुप्रयोग को समझ सकेंगे। भाषा और भाषा विज्ञान के दर्शन के प्राचीन भारतीय विचारकों के योगदान का अवलोकन और सराहना करने में सक्षम होंगे। व्याकरण के इतिहास के महत्वपूर्ण प्रासंगिक और उनके उद्देश्य को समझने में सक्षम होंगे। शब्द की प्रकृति, अर्थ और उनके संबंध और व्याकरणविदों के स्फोटसिद्धांत को समझने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	तिङन्तप्रकरणे 'भू' धातोः रूपाणां सूत्रोल्लेखपूर्वकं सिद्धिः। (लोट्, लङ्, लृट् एवं लिट् लकार)	15
II	तिङन्तप्रकरणे 'एध्' धातोः रूपाणां सूत्रोल्लेखपूर्वकं सिद्धिः । (लोट्, लङ्, लृट् एवं लिट् लकार)	15
III	भाषाविज्ञानम् - भाषाशास्त्रम्, संघटनात्मकभाषाशास्त्रम्, भाषायाः घटकानि, भारोपीयभाषापरिवारः।	15
IV	भाषा विज्ञान- ध्वनिनियमाः- ग्रिम-ग्रासमान-वर्नरश्च, अर्थपरिवर्तनस्य दिशः, कारणानि, स्फोटसिद्धान्तः ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2013
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, संस्करण 2020
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2019
- भाषा विज्ञान, रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण-2014
- भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल दिल्ली, संस्करण-2019
- भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, संस्करण-1998
- आधुनिक भाषा विज्ञान, डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण- 2022
- संस्कृत भाषा शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. भोला शंकर व्यास, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण-2013
- भाषा विज्ञान, डॉ. विजयपाल सिंह, संजय बुक सेंटर वाराणसी, संस्करण 1999

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC403	तृतीय प्रश्नपत्रम् - काव्यशास्त्रम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य काव्य प्रकाश के पाठ के माध्यम से भारतीयों के आलोचनात्मक विश्लेषण के विभिन्न आयामों का परिचय देना है, तथा साथ ही साथ नैषध काव्य की माधुर्यता का रसास्वादन कराते हुए मानव मूल्यों से परिचित कराना है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद छात्र समृद्ध संस्कृत साहित्यिक परंपरा के बारे में जानेंगे। निर्धारित साहित्यिक रचना में व्यक्त सौंदर्यवादी राजनीतिक सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों की सराहना करने में सक्षम होंगे, और रस के विचारोत्तेजक अर्थ के महत्व का ज्ञान प्राप्त करेंगे। कविता में कविता की अभिव्यक्तियों की सराहना और आनंद लेने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	काव्यप्रकाशः (प्रथमोल्लासः), काव्यप्रयोजनं कारणमेवञ्च स्वरूपविशेषस्यनिर्णयः	15
II	काव्यप्रकाशः (द्वितीयोल्लासः), शब्दार्थस्वरूपनिर्णयः	15
III	काव्यप्रकाशः (चतुर्थोल्लासः), ध्वनिनिर्णयः	15
IV	काव्यप्रकाशः (अष्टमोल्लासः), गुणालंकारभेदनिर्णयः	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- काव्यप्रकाश:, आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल प्रकाशन, संस्करण-2015
- काव्यप्रकाश:, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, संस्करण-2020
- काव्यप्रकाश:, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 1970
- काव्यप्रकाश:, श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, 2020
- काव्यप्रकाश टीकात्रयसंवलिता- गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज, 2006
- काव्यप्रकाश: डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2021

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC404	**चतुर्थप्रश्नपत्रम् - न्यायवैशेषिकदर्शनम्**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को तर्क भाषा के न्यायसूत्रों के पठन - पाठन के माध्यम से न्याय दर्शन के कुछ मौलिक सिद्धांतों, अवधारणाओं और सिद्धांतों से परिचित कराना है, तथा अद्वैत वेदांत पर लिखी गयी अपरोक्षानुभूति नामक ग्रन्थ में वर्णित जीवन दर्शन को आत्मसात कराना ।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

पाठ्यक्रम में अध्ययन के बाद छात्र न्याय दर्शन की मौलिक अवधारणाओं का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, अभूतपूर्व दुनिया के विश्लेषण और इसके विकास की प्रक्रिया में न्याय दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जान पायेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	तर्कभाषा - आदितो प्रत्यक्षप्रमाणपर्यन्तम्	15
II	तर्कभाषा - अनुमानप्रमाणात् उपमानप्रमाणं यावत्	15
III	तर्कभाषा – शब्दप्रमाणात् प्रामाण्यवादं यावत्	15
IV	अपरोक्षानुभूतिः - 1-50 कारिकापर्यन्तम्	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ , 1987
- केशवमिश्रप्रणीता तर्कभाषा, गजानन शास्त्री मूसलगांवकर, चौखाभा सुरभारती ग्रन्थमाला, 1995
- न्याय दर्शन, आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री 2022
- अपरोक्षानुभूति, आचार्य शांकर
- भारतीय दर्शन का इतिहास- (पाँच भाग), एस्.एन्. दास गुप्ता, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण 4 दिसम्बर 2024
- भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1 जनवरी 2017
- भारतीय दर्शन, डॉ0 राधाकृष्णन, राजपाल एंड संस दिल्ली, संस्करण 1966
- भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाउस, संस्करण, 2021
- Outline of Indian Philosophy, M.Hiriyanna, मोतीलाल बनारसीदास, संस्करण- 1993
- भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास प्रथम संस्करण 1990
- सर्वदर्शनसंग्रह, माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली, 2020

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC405	पञ्चमप्रश्नपत्रम् – पद्यकाव्यम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत खण्डकाव्य (गीतिकाव्य) का परिचय एवं प्रमुख खण्ड काव्यशास्त्रीय आचार्यो, उनकी कृतियों का सामान्य परिचय एवं छन्द तथा अलंकारों का सामान्य ज्ञान प्रदान करना है, साथ ही साथ छन्द गायन का अभ्यास कराना है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्र संस्कृत खण्डकाव्य (गीतिकाव्य) से सामान्यत: परिचित हो सकेंगे। एवं छन्द तथा अलंकारों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करके छन्द गायन का अभ्यास कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	कालिदासकृत- मेघदूतम् (पूर्वमेघ:) १ पद्यात् ३० पद्यानि पर्यन्तम्।	15
II	कालिदासकृत- मेघदूतम् (पूर्वमेघ:) ३१ पद्यत: पद्यन्तपर्यन्तम्।	15
III	नैषधीयचरितम्- (प्रथमसर्ग:) 1-30 पद्यपर्यन्तम्	15
IV	नैषधीयचरितम्- (प्रथमसर्ग:) 30-65 पद्यपर्यन्तम्	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- कालिदास कृतं मेघदूतम्, डॉ. बलवान सिंह यादव, चौखम्बा संस्कृत भवन, संस्करण-2017
- कालिदास कृतं मेघदूतम्, आचार्य वैद्यनाथ झा, कृष्णदास अकादमी संस्करण- 2021
- नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः), आचार्य धुरंधर पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, संस्करण 2012
- नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः), शोभा भारद्वाज, युवराज पब्लिकेशन आगरा, संस्करण-2021
- नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः), डॉ० श्यामलेश कुमार तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2017
- नैषधमहाकाव्यम्, डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार मेरठ, नवीन संस्करण-2001

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC411	प्रथमप्रश्नपत्रम् - वेदोपनिषद्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक साहित्य के प्रमुख वैदिक देवताओ, अथर्ववेद में राजा के चुनाव, महत्व और उपनिषदों में वर्णित प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं वैदिक व्याकरण का व्यापक परिचय देना है, क्योंकि वैदिक व्याकरण का अध्ययन, व्युत्पत्ति, विज्ञान और वैदिक भाषा की विशिष्टता को समझने में मदद करता है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्र वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे। प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धांतों को जान सकेंगे। वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे।तैत्तिरीयोपनिषद की शिक्षावनती में वर्णित शिक्षा, अभ्युदय संहिताविषयक उपासना विधि और पौच महासंहिताओं- लोकविषयक संहिता, ज्योतिविषयक संहिता, संतानविषयक संहिता, विद्याविषयक संहिता और अध्यात्मविषयक संहिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदः - अक्षसूक्तम् (१०.३४), रुद्रसूक्तम् (२.३३)	15
II	ऋग्वेदः अग्निसूक्तम् (४.७), ज्ञानसूक्तम् (१०.१७), नासदीयसूक्तञ्च (१०.१२९)	15
III	अथर्ववेदः - राज्ञः निर्वाचनम्, राष्ट्राभिवर्धनम् (१.२१) वरुणसूक्तम् (४.१६), सामनस्यसूक्तम् (३.३०), कालसूक्तम् (१०.५३)	15
IV	तैत्तिरियोपनिषद्- शिक्षावल्ली	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- ऋक्सुक्तसङ्ग्रहः, डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ, संस्करण- 1960
- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर, संस्करण- 2021
- वेदचयनम्, विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 1984
- ऋग्वेद संहिता, पं. दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, 2019
- वैदिक व्याकरण, डॉ. रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण- 2022
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो. बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर काशी, संस्करण-1958
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2000
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. रघुवीर वेदालंकार, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2017
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्वप्रकाशन, संस्करण-2021

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC412	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणपालिप्राकृतापभ्रंश:	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को लघुसिद्धान्तकौमुदी में वर्णित ण्यन्त्-यङन्त-यङ्लुगन्त प्रक्रियाओं, तद्धित प्रकरण के अंतर्गत आने वाले साधारण- अपत्यार्थ-रक्ताद्यार्थक और चातुर्थिक प्रत्ययों का सम्यक् अवबोधन कराना। पालि-प्राकृत एवं अपभ्रंश संग्रह के गद्य- पद्यों के माध्यम से बौद्धकालीन भारत की संस्कृति-सभ्यता और भाषात्मक विशेषताओं का ज्ञान कराना।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक् ज्ञान प्राप्तकर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे। पालि-प्राकृत और अपभ्रंश के गद्यात्मक एवं पद्यात्मक कथाओं के माध्यम से प्राचीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक और चारित्रिक वैशिष्ट्य एवं महत्वपूर्ण बौद्धकालीन अभिलेखों की लिपियों का सम्यक् अध्ययन कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वरदराजकृता लघुसिद्धान्तकौमुदी ण्यन्त-यङन्त यङ्लुगन्तप्रक्रियाश्च। नामधातुः पुत्रीयति, कृष्णायते, शब्दायते	15
II	तद्धितप्रकरणम् अपत्याधिकारः, रक्ताद्यर्थकाः, चातुरर्थिकाश्च। (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	15
III	पालिपाकृत-अपभ्रंशसंग्रहः- धम्मपदसंगहो एवश्च पटिच्चसमुप्पादो।	15
IV	महापरिनिब्बानसुत्तम्। प्राकृत कर्पूरमञ्जरी, अशोकाभिलेखः, गिरनाराभिलेखश्च ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2013
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली, 1 जनवरी 2021
- पालि-प्राकृत एवं अपभ्रंश संग्रह. डॉ० राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2017
- पालि महाव्याकरण, जे० कश्यप, महाबोधि सभा सारनाथ, वाराणसी, 1940
- प्राकृत भाषाओं व्याकरण, एच० सी० जोशी, विहार राष्ट्र सभा परिषद् पटना, 1958

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC413	तृतीयप्रश्नपत्रम् - काव्यशास्त्रालङ्कार:	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को काव्य के शोभाधायक तत्व अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण से परिचित कराना, काव्य लेखन में इसके प्रयोग तथा

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र काव्यप्रकाश में उल्लिखित अलंकारों का अपनी रचना में प्रयोग कर सकेंगे तथा चम्मू काव्य के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	मम्मटाचार्यकृतकाव्यप्रकाश:, नवमोल्लासान्तर्गतानाम् अङ्काराणां लक्षणोदारणानि च।	15
II	काव्यप्रकाश: दशमोल्लास: अधोलिखितानामलङ्काराणां लक्षणोदाहरणानि..... उपमा-अनन्वय-उत्प्रेक्षा-रुपक-समासोक्ति-निदर्शना-अपह्नुतिश्च।	15
III	काव्यप्रकाश: दशमोल्लास: अधोलिखितानामलङ्काराणां लक्षणोदाहरणानि..... दृष्टांत- विभावना- विशेषोक्ति-स्वभावोक्ति विरोधाभास: अर्थान्तरन्यासश्च।	15
IV	ध्वन्यालोक:(प्रथमोद्योत: 1-12 कारिका पर्यन्त)	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- काव्यप्रकाश:, आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल प्रकाशन, संस्करण-2015
- काव्यप्रकाश:, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, संस्करण-2020
- काव्यप्रकाश:, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 1970
- काव्यप्रकाश:, श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, 2020
- काव्यप्रकाश टीकात्रयसंवलिता- गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज, 2006
- काव्यप्रकाश: डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2021
- ध्वन्यालोकः- शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2001
- ध्वन्यालोकः- आचार्य विश्वेश्वर, वाराणसी ज्ञानमंडल लिमिटेड, तृतीय संस्करण- 1998

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC414	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - सांख्यवेदान्तदर्शनम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य सांख्यकारिका और वेदान्तसार के पठन के माध्यम से छात्रों को और कुछ मौलिक सिद्धान्त एवं वेदान्तदर्शन के सिद्धांतों से परिचित कराना है। यह छात्र को भारतीय दार्शनिक प्रणाली के विभिन्न सिद्धांतों के विश्लेषण की बुनियादी बौद्धिक समझ हासिल करने में भी मदद करेगा।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्र सांख्य और वेदांत दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोवनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे। निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में सांख्य और वेदांत दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। तार्किक अध्ययन में सांख्य और वेदांत दार्शनिकों के योगदान को समझ सकेंगे, जी आज के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। सत्य के उचित निर्णय में उनकी मदद करने वाली जीवन स्थितियां समझ सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	सांख्यकारिका – 1-20 कारिकां यावत्।	15
II	सांख्यकारिका – 21-54 कारिकां यावत्।	15
III	सांख्यकारिका – 55-72 कारिकां यावत्।	15
IV	वेदान्तसारः - मङ्गलाचरणात् पञ्चीकरणप्रकियां यावत् ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- सांख्यतत्वकौमुदी - व्याख्याकारः डॉ. संतनरायणलाल श्रीवास्तव
- सांख्यतत्वकौमुदी- व्याख्याकारः गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, 1992
- सांख्यतत्वकौमुदी - व्याख्याकारः आद्याप्रसाद मिश्र, प्रेम प्रकाशन इलाहाबाद, 1969
- भारतीय दर्शन का इतिहास (पाँच भाग) - एस्. एन्. दास गुप्ता, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण 4 दिसम्बर 2024
- भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1 जनवरी 2017
- भारतीय दर्शन- डॉ. राधाकृष्णन, राजपाल एंड संस दिल्ली, 1966
- भारतीय दर्शन - चटर्जी एवं दत्त, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाउस, संस्करण-2021
- Outline of Indian Philosophy, M.Hiriyanna, मोतीलाल बनारसीदास, संस्करण- 1993

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री विथ ऑनर**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC415	पञ्चमप्रश्नपत्रम् - चम्पूकाव्यं नाटकञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

'नलचम्पूकाव्यम्' 'स्वप्नवासवदत्तम्' के शिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य के बारे में जानकारी प्रदान करना है। छात्रों को काव्यात्मक सौंदर्य, अलंकार, और छंद की समझ विकसित करना है। काव्य की इन विधाओं में वर्णित नायक नायिका के चरित्रों के माध्यम से सांस्कृतिक ज्ञान, भाषाई कौशल एवं नैतिक मूल्यों जैसे कि सत्य, प्रेम और धैर्य का विकास करना है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को संस्कृत साहित्य, काव्यात्मक सौंदर्य, और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी मिलती है, जो उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में उपयोगी हैं। राम के चारित्रिक आदर्श का अपने जीवन में धारण करने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	त्रिविक्रमभट्टकृतनलचम्पूकाव्यम् (प्रथमोच्छ्वासः) (कविवंशादिवर्णनतः नलवर्णनपर्यन्तम्)	15
II	उत्तररामचरितम्- (तृतीयोऽङ्कः) (1-25 श्लोकपर्यन्तम्)	15
III	उत्तररामचरितम्- (तृतीयोऽङ्कः) (26-47 श्लोकपर्यन्तम्)	15
IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथमोऽङ्कः सम्पूर्णम्)	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- नलचम्पू, तारिणीश झा, प्रकाशक - रामनारायण लाल विजय कुमार, कटरा रोड प्रयागराज, संस्करण-1978 & 2022
- नलचम्पू, परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, संस्करण-2023
- नलचम्पू, धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, प्रकाशित वर्ष-2000. नलचम्पू, आचार्य धुरंधर पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी द्वितीय संस्करण-2021
- नलचम्पू, रामनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी संस्करण-2001
- उत्तररामचरितम्, डॉ० रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी संस्करण-2016
- उत्तररामचरितम्, आनंद स्वरुप, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी संस्करण-2014
- उत्तररामचरितम्, रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, विश्विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी संस्करण-1977
- उत्तररामचरितम्, मुरारी लाल अग्रवाल, साहित्य सरोवर 5th संस्करण (1 जनवरी 2020)
- स्वप्नवासवदत्तम्, जयपाल विद्यालंकार, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, संस्करण-2021
- स्वप्नवासवदत्तम्, आचार्य जगदीश पाण्डेय, पं० मदन गोपाल बाजपेयी, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली, संस्करण-2022
- स्वप्नवासवदत्तम्, लालमती एवं कृष्णा, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी संस्करण-2023

अथवा जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में %75अंक प्राप्त करेंगे, वे सभी इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करने के पश्चात् शोध सहित यूजी डिग्री ऑनर्स के लिए पात्र होंगें । OR (Student who secure 75% marks in first six semesters are eligible for UG Degree (honour with research).

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC401	**वैदिक संहिता एवं भाष्यभूमिका**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक साहित्य एवं संहिता का व्यापक परिचय देना है। इस पाठ्यक्रम में ऋग्वेद एवं ऋग्वेद भाष्य भूमिका के कुछ महत्वपूर्ण स्तोत्र तथा महत्वपूर्ण संवाद सूक्त शामिल हैं, जिसके माध्यम से छात्र प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति को समझ सकेंगे।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्र को कुछ वैदिक देवताओं की प्रकृति, क्रिया और प्रतिनिधित्व के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा। वैदिक मन्त्रों के अर्थ की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। प्राचीन और आधुनिक टीकाकारों की कुछ प्रसिद्ध टिप्पणियों के अनुसार वैदिक मंत्रों को उनके वास्तविक रूप में पढ़ने का प्रयास करेंगे। वैदिक छंदों एवं वेदों की स्वर प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदः- वरुणसूक्तम् (१.२५), सवितृसूक्तम् (१.३५), सूर्यसूक्तम् (१.१५१)	15
II	ऋग्वेदः - उषस् सूक्तम् (३.६१) पर्जन्यसूक्तम् (५.८३) वाक्सूक्तम् (१०.१२५)	15
III	विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम्(३.३३), यम-यमी संवादसूक्तम् (१०.१०)	15
IV	सरमा-पणिसंवादसूक्तम् (१०.१०८), पुरुरवा-उर्वशीसंवादसूक्तम्	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- ऋक्सुक्तसङ्ग्रहः, डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ, संस्करण- 1960
- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर, संस्करण- 2021
- वेदचयनम्, विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 1984
- ऋग्वेद संहिता, पं. दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, 2019
- वैदिक व्याकरण, डॉ. रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण- 2022
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो. बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर काशी, संस्करण-1958
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2000
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. रघुवीर वेदालंकार, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2017
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्वप्रकाशन, संस्करण-2021

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC402	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणभाषाविज्ञानम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

यह पाठ्यक्रम छात्रों को दर्शन एवं आधुनिक भाषाविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण अवधारणा एवं सिद्धान्तों का साक्षात्कार कराता है और उनके प्रकाश में संस्कृत भाषा को देखने और उसका विश्लेषण करने में उनकी मदद करता है | पाठ्यक्रम शिक्षार्थी को संस्कृत ध्वन्यात्मकता, आकृति विज्ञान, वाक्य रचना और शब्दार्थ से परिचित कराएगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अष्टाध्यायी यानी महाभाष्य की कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण अवधारणाओं के बारे में बताता है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद छात्र आधुनिक भाषा विज्ञान के आगमन के साथ हुई संस्कृत भाषा का अवलोकन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की मूल अवधारणा और भाषा परिवर्तन के नियम और संस्कृत में उनके अनुप्रयोग को समझ सकेंगे। भाषा और भाषा विज्ञान के दर्शन के प्राचीन भारतीय विचारकों के योगदान का अवलोकन और सराहना करने में सक्षम होंगे। व्याकरण के इतिहास के महत्वपूर्ण प्रासंगिक और उनके उद्देश्य को समझने में सक्षम होंगे। शब्द की प्रकृति, अर्थ और उनके संबंध और व्याकरणविदों के स्फोटसिद्धांत को समझने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	तिङन्तप्रकरणे 'भू' धातोः रूपाणां सूत्रोल्लेखपूर्वकं सिद्धिः। (लोट्, लङ्, लृट् एवं लिट् लकार)	15
II	तिङन्तप्रकरणे 'एध्' धातोः रूपाणां सूत्रोल्लेखपूर्वकं सिद्धिः । (लोट्, लङ्, लृट् एवं लिट् लकार)	15
III	भाषाविज्ञानम् - भाषाशास्त्रम्, संघटनात्मकभाषाशास्त्रम्, भाषायाः घटकानि, भारोपीयभाषापरिवारः।	15
IV	भाषा विज्ञान- ध्वनिनियमाः- ग्रिम-ग्रासमान-वर्नरश्च, अर्थपरिवर्तनस्य दिशः, कारणानि, स्फोटसिद्धान्तः ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2013
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, संस्करण 2020
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2019
- भाषा विज्ञान, रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण-2014
- भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल दिल्ली, संस्करण-2019
- भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, संस्करण-1998
- आधुनिक भाषा विज्ञान, डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण-2022
- संस्कृत भाषा शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. भोला शंकर व्यास, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण-2013
- भाषा विज्ञान, डॉ. विजयपाल सिंह, संजय बुक सेंटर वाराणसी, संस्करण 1999
- Introduction to Comparative Philology, Gune , Published Online By Cambridge University Peris, 15 march 2011.
- Phonetics in Ancient India - W. S. Allen, Geoffrey Cumberlege Oxford University Peris, 1953.

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC403	तृतीय प्रश्नपत्रम् - काव्यशास्त्रम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य काव्य प्रकाश के पाठ के माध्यम से भारतीयों के आलोचनात्मक विश्लेषण के विभिन्न आयामों का परिचय देना है, तथा साथ ही साथ नैषध काव्य की माधुर्यता का रसास्वादन कराते हुए मानव मूल्यों से परिचित कराना है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद छात्र समृद्ध संस्कृत साहित्यिक परंपरा के बारे में जानेंगे। निर्धारित साहित्यिक रचना में व्यक्त सौंदर्यवादी राजनीतिक सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों की सराहना करने में सक्षम होंगे, और रस के विचारोत्तेजक अर्थ के महत्व का ज्ञान प्राप्त करेंगे। कविता में कविता की अभिव्यक्तियों की सराहना और आनंद लेने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	काव्यप्रकाशः (प्रथमोल्लासः), काव्यप्रयोजनं कारणमेवञ्च स्वरूपविशेषस्यनिर्णयः	15
II	काव्यप्रकाशः (द्वितीयोल्लासः), शब्दार्थस्वरूपनिर्णयः	15
III	काव्यप्रकाशः (चतुर्थोल्लासः), ध्वनिनिर्णयः	15
IV	काव्यप्रकाशः (अष्टमोल्लासः), गुणालंकारभेदनिर्णयः	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- काव्यप्रकाश:, आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल प्रकाशन, संस्करण-2015
- काव्यप्रकाश:, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, संस्करण-2020
- काव्यप्रकाश:, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 1970
- काव्यप्रकाश:, श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, 2020
- काव्यप्रकाश टीकात्रयसंवलिता- गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज, 2006
- काव्यप्रकाश: डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2021

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNC404	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - न्यायवैशेषिकदर्शनम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को तर्क भाषा के न्यायसूत्रों के पठन - पाठन के माध्यम से न्याय दर्शन के कुछ मौलिक सिद्धांतों, अवधारणाओं और सिद्धांतों से परिचित कराना है, तथा अद्वैत वेदांत पर लिखी गयी अपरोक्षानुभूति नामक ग्रन्थ में वर्णित जीवन दर्शन को आत्मसात कराना ।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

पाठ्यक्रम में अध्ययन के बाद छात्र न्याय दर्शन की मौलिक अवधारणाओं का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, अभूतपूर्व दुनिया के विश्लेषण और इसके विकास की प्रक्रिया में न्याय दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जान पायेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	तर्कभाषा - आदितो प्रत्यक्षप्रमाणपर्यन्तम्	15
II	तर्कभाषा - अनुमानप्रमाणात् उपमानप्रमाणं यावत्	15
III	तर्कभाषा - शब्दप्रमाणात् प्रामाण्यवादं यावत्	15
IV	अपरोक्षानुभूतिः - 1-50 कारिकापर्यन्तम्	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ , 1987
- केशवमिश्रप्रणीता तर्कभाषा, गजानन शास्त्री मूसलगांवकर, चौखाभा सुरभारती ग्रन्थमाला, 1995
- न्याय दर्शन, आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री 2022
- अपरोक्षानुभूति, आचार्य शांकर
- भारतीय दर्शन का इतिहास- (पाँच भाग), एस्.एन्. दास गुप्ता, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण 4 दिसम्बर 2024
- भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1 जनवरी 2017
- भारतीय दर्शन, डॉ0 राधाकृष्णन, राजपाल एंड संस दिल्ली, संस्करण 1966
- भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाउस, संस्करण, 2021
- Outline of Indian Philosophy, M.Hiriyanna, मोतीलाल बनारसीदास, संस्करण- 1993

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VII सेमेस्टर : सप्तम
विषय – संस्कृत		
BSNM405	लघुशोधप्रबन्धः	

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC411	**प्रथमप्रश्नपत्रम् - वेदोपनिषद्**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक साहित्य के प्रमुख वैदिक देवताओ, अथर्ववेद में राजा के चुनाव, महत्व और उपनिषदों में वर्णित प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं वैदिक व्याकरण का व्यापक परिचय देना है, क्योंकि वैदिक व्याकरण का अध्ययन, व्युत्पत्ति, विज्ञान और वैदिक भाषा की विशिष्टता को समझने में मदद करता है।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्र वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे। प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धांतों को जान सकेंगे। वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे।तैत्तिरीयोपनिषद की शिक्षावनती में वर्णित शिक्षा, अभ्युदय संहिताविषयक उपासना विधि और पौच महासंहिताओं- लोकविषयक संहिता, ज्योतिविषयक संहिता, संतानविषयक संहिता, विद्याविषयक संहिता और अध्यात्मविषयक संहिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदः - अक्षसूक्तम् (१०.३४), रुद्रसूक्तम् (२.३३)	15
II	ऋग्वेदः अग्निसूक्तम् (४.७), ज्ञानसूक्तम् (१०.१७), नासदीयसूक्तञ्च (१०.१२९)	15
III	अथर्ववेदः - राज्ञः निर्वाचनम्, राष्ट्राभिवर्धनम् (१.२१) वरुणसूक्तम् (४.१६), सामनस्यसूक्तम् (३.३०), कालसूक्तम् (१०.५३)	15
IV	तैत्तिरियोपनिषद्- शिक्षावल्ली	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- ऋक्सुक्तसङ्ग्रहः, डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ, संस्करण- 1960
- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर, संस्करण- 2021
- वेदचयनम्, विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 1984
- ऋग्वेद संहिता, पं. दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, 2019
- वैदिक व्याकरण, डॉ. रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण- 2022
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो. बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर काशी, संस्करण-1958
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2000
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. रघुवीर वेदालंकार, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2017
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्वप्रकाशन, संस्करण-2021
- ईशावास्याद्यष्टोपनिषद्- स्वामी द्वारकादास काठियाबाबा, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, संस्करण- 2007
- ईशावास्याद्यष्टोपनिषद्-

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC412	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणपालिप्राकृतापभ्रंश:	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को लघुसिद्धान्तकौमुदी में वर्णित ण्यन्त्-यङन्त-यङ्लुगन्त प्रक्रियाओं, तद्धित प्रकरण के अंतर्गत आने वाले साधारण- अपत्यार्थ-रक्ताद्यार्थक और चातुर्थिक प्रत्ययों का सम्यक् अवबोधन कराना। पालि-प्राकृत एवं अपभ्रंश संग्रह के गद्य- पद्यों के माध्यम से बौद्धकालीन भारत की संस्कृति-सभ्यता और भाषात्मक विशेषताओं का ज्ञान कराना।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक् ज्ञान प्राप्तकर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे। पालि-प्राकृत और अपभ्रंश के गद्यात्मक एवं पद्यात्मक कथाओं के माध्यम से प्राचीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक और चारित्रिक वैशिष्ट्य एवं महत्वपूर्ण बौद्धकालीन अभिलेखों की लिपियों का सम्यक् अध्ययन कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वरदराजकृता लघुसिद्धान्तकौमुदी ण्यन्त-यङन्त यङ्लुगन्तप्रक्रियाश्च। नामधातुः पुत्रीयति, कृष्णायते, शब्दायते	15
II	तद्धितप्रकरणम् अपत्याधिकारः, रक्ताद्यर्थकाः, चातुरर्थिकाश्च। (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	15
III	पालिपाकृत-अपभ्रंशसंग्रहः- धम्मपदसंगहो एवश्च पटिच्चसमुप्पादो।	15
IV	महापरिनिब्बानसुत्तम्। प्राकृत कर्पूरमञ्जरी, अशोकाभिलेखः, गिरनाराभिलेखश्च ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2013
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, संस्करण 2020
- पालिपाकृत-अपभ्रंशसंग्रहः- डॉ. राम अवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2017
- पालि महाव्याकरण, जे० कश्यप, महाबोद्जिसभा सारनाथ, वाराणसी, 1940
- प्राकृत भाषाओं का व्याकरण, एच० सी० जोशी, विहार राष्ट्र भाषा परिषद् , पटना, 1958

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष - चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC413	तृतीयप्रश्नपत्रम् - काव्यशास्त्रालङ्कार:	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को काव्य के शोभाधायक तत्त्व अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण से परिचित कराना, काव्य लेखन में इसके प्रयोग तथा अनुप्रयोग का ज्ञान कराना।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र काव्यप्रकाश में उल्लिखित अलंकारों का अपनी रचना में प्रयोग कर सकेंगे तथा चम्मू काव्य के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	मम्मटाचार्यकृतकाव्यप्रकाश:, नवमोल्लासान्तर्गतानाम् अङ्काराणां लक्षणोदारणानि च।	15
II	काव्यप्रकाश: दशमोल्लास: अधोलिखितानामलङ्काराणां लक्षणोदाहरणानि – उपमा-अनन्वय-उत्प्रेक्षा-रुपक-समासोक्ति-निदर्शना-अपह्नुतिश्च।	15
III	काव्यप्रकाश: दशमोल्लास: अधोलिखितानामलङ्काराणां लक्षणोदाहरणानि..... दृष्टांत- विभावना- विशेषोक्ति-स्वभावोक्ति विरोधाभास: अर्थान्तरन्यासश्च।	15
IV	ध्वन्यालोक:(प्रथमोद्योत:, 1-12 कारिका पर्यन्त)	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- काव्यप्रकाश:, आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल प्रकाशन, संस्करण-2015
- काव्यप्रकाश:, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, संस्करण-2020
- काव्यप्रकाश:, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 1970
- काव्यप्रकाश:, श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, 2020
- काव्यप्रकाश टीकात्रयसंवलिता- गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज, 2006
- काव्यप्रकाश: डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2021
- ध्वन्यालोकः- शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2001
- ध्वन्यालोकः- आचार्य विश्वेश्वर, वाराणसी ज्ञानमंडल लिमिटेड, तृतीय संस्करण- 1998

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNC414	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - सांख्यवेदान्तदर्शनम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives) :

पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य सांख्यकारिका और वेदान्तसार के पठन के माध्यम से छात्रों को और कुछ मौलिक सिद्धान्त एवं वेदान्तदर्शन के सिद्धांतों से परिचित कराना है। यह छात्र को भारतीय दार्शनिक प्रणाली के विभिन्न सिद्धांतों के विश्लेषण की बुनियादी बौद्धिक समझ हासिल करने में भी मदद करेगा।

अधिगम (Learning/ Outcomes) :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्र सांख्य और वेदांत दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोवनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे। निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में सांख्य और वेदांत दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धांतों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। तार्किक अध्ययन में सांख्य और वेदांत दार्शनिकों के योगदान को समझ सकेंगे, जी आज के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। सत्य के उचित निर्णय में उनकी मदद करने वाली जीवन स्थितियां समझ सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	सांख्यकारिका – 1-20 कारिकां यावत्।	15
II	सांख्यकारिका – 21-54 कारिकां यावत्।	15
III	सांख्यकारिका – 55-72 कारिकां यावत्।	15
IV	वेदान्तसारः - मङ्गलाचरणात् पञ्चीकरणप्रकियां यावत् ।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- सांख्यतत्वकौमुदी - व्याख्याकारः डॉ. संतनरायणलाल श्रीवास्तव, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान,
- सांख्यतत्वकौमुदी- व्याख्याकारः गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, 1992
- सांख्यतत्वकौमुदी - व्याख्याकारः आद्याप्रसाद मिश्र, प्रेम प्रकाशन इलाहाबाद, 1969
- भारतीय दर्शन का इतिहास (पाँच भाग) - एस्. एन्. दास गुप्ता, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण 4 दिसम्बर 2024
- भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1 जनवरी 2017
- भारतीय दर्शन- डॉ. राधाकृष्णन, राजपाल एंड संस दिल्ली, 1966
- भारतीय दर्शन - चटर्जी एवं दत्त, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाउस, संस्करण-2021
- Outline of Indian Philosophy, M.Hiriyanna, मोतीलाल बनारसीदास, संस्करण- 1993

Programs /Class: Degree कार्यक्रम/वर्ग : **डिग्री ऑनर्स विथ रिसर्च**	Year : Fourth वर्ष- चतुर्थ	Semester: VIII सेमेस्टर : अष्टम
विषय – संस्कृत		
BSNM415	**लघुशोधप्रबन्धः**	

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNC501	प्रथमप्रश्नपत्रम् - महाभाष्यं स्वशास्त्रीयनिबन्धश्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को व्याकरण के दार्शनिक स्वरूप के विस्तार से परिचित कराते हुए उनमें अपने शास्त्र से संबद्ध गंभीर विषयों पर निबंध लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना, तथा शास्त्रीय निबंध लेखन के सोपान की जानकारी प्रदान करना ।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र व्याकरण के दार्शनिक स्वरूप से परिचित होकर व्याकरण दर्शन के प्रयोजन को समझ सकेंगे। छात्रों में स्वशास्त्र से संबद्ध शास्त्रीय विषयों पर निबंध लेखन की प्रवृत्ति विकसित होगी ।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	महाभाष्यम् (प्रथमाह्निकम्)– आरम्भतः व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनपर्यन्तम्। (शब्दस्वरूपं व्याकरणस्य मुख्यगौणप्रयोजनञ्च)	15
II	'सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे' वार्तिकात् 'आचारे नियमः' 'इति' वार्तिकपर्यन्तम्। (नित्यत्वस्वरूपं लोकव्यवहारे शब्दार्थनित्यता-धर्मनियमानुशासनञ्च)	15
III	'प्रयोगे सर्वलोकस्य' 'इति' वार्तिकात् पस्पशाह्निकान्तपर्यन्तम्। (व्याकरणपदार्थविवेचनं वर्णोपदेशप्रयोजनम् आगमादिशुद्धोचारणस्य समर्थनञ्च)	15
IV	स्वशास्त्रीयनिबन्धः (वेद, व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेदांग)	15

संस्तुत ग्रन्थ -

- व्याकरणमहाभाष्यम्, जय शंकर लाल त्रिपाठी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी,2021
- व्याकरणमहाभाष्यम्, (प्रथमं) पस्पशाह्निकम् - वेद प्रकाश विद्यावाचस्पति, मेहर चन्द्र लक्ष्मण दास पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2011
- संस्कृतनिबंधसंग्रहः, डॉ. पूर्णिमा आचार्य, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी, 2017
- संस्कृतनिबन्धशतकम्, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकशन वाराणसी, संस्करण 2021
- संस्कृतनिबन्धनिचयः, डॉ. राजदेव मिश्र, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर, संस्करण 2015
- संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः, डॉ. शिव प्रसाद भरद्वाज, अनिल प्रकशन दिल्ली, संस्करण 2018
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा पब्लिशर्स,, संस्करण,-2020

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNC502	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - भारतीयसंस्कृतिः पर्यावरणञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराते हुए संस्कृति की विशेषता, विकास, संस्कृति और सभ्यता में अंतर तथा अन्य संस्कृतियों पर भारतीय संस्कृत के प्रभाव का ज्ञान प्रदान करना। वैश्विक महासंघ कट पर्यावरण से परिचित कराते हुए पर्यावरण के घटक संरक्षण और उपाय तथा 'संस्कृत साहित्य में पर्यावरणीय चेतना' के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र भारतीय संस्कृति से परिचित होकर उसके अन्य देशों की संस्कृतियों पर प्रभाव और महत्व को समझ सकेंगे। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था एवं पर्यावरण की प्रासंगिकता और उपादेयता की जानकारी प्राप्त करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व को समझ सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	भारतीयसंस्कृतिः- अर्थः, परिभाषा, विशेषताः, मूलतत्त्वञ्च। भारतीयसंस्कृतेः विकासः, संस्कृतेः सभ्यतायाः अन्तरणम् भारतीयसंस्कृतेः अन्यसंस्कृतिषु प्रभावः।	15
II	संस्कृतसाहित्ये समाजः, जीवनमूल्यानि, एवञ्च वर्णाश्रमव्यवस्था।	15
III	पुरुषार्थः, संस्कारः, प्राचीनभारतीयशिक्षा-व्यवस्थाश्च।	15
IV	पर्यावरणशब्दस्य व्युत्पत्तिः, अर्थपरिभाषामाहात्म्यञ्च। पर्यावरणस्य तत्त्वानि, पर्यावरणस्य हानिकारकानि घटकानि, संरक्षणोपायाः, प्रदूषणं दूरीकर्तुं मार्गाः तथा च संस्कृतसाहित्ये पर्यावरणीयचेतना।	15

संस्तुत ग्रन्थ -

- भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण, डॉ० संदीप कुमार पाण्डेय, वान्या प्रकाशन , प्रथम संस्करण-2025
- भारतीय संस्कृति कोश, डी० मिश्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, संस्करण-2015
- संस्कृत संस्कृति एवं पर्यावरण, डॉ० प्रवेश सक्सेना, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली, 2021
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, पं. बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर काशी, संस्करण 1958
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का बृहद इतिहास, ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्व प्रकाशन, संस्करण 2021
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकशन वाराणसी, संस्करण 2018
-
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. रघुवीर वेदालंकार,चौखम्बा ओरिएण्टल दिल्ली, संस्करण-2017

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE503A	तृतीयप्रश्नपत्रम् - संहिता ब्राह्मणयज्ञश्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक संहिताओं (ऋक्-यजु:-अथर्व), और ब्राह्मण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना, प्रजापति और अग्नि के बीच संबंधों, अग्नि की उत्पत्ति और उसके महत्व को समझाना है। अग्निहोत्र यज्ञ:, यज्ञ की प्रक्रिया, सामग्री, और इसके महत्व को बतलाना है। देवताओं की उत्पत्ति: उनके महत्व एवं उनकी शक्तियों और भूमिकाओं को समझाना है। यह पंचिका वैदिक अनुष्ठानों और धार्मिक मान्यताओं को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के पश्चात छात्र वैदिक संहिताओं और ब्राह्मण ग्रंथों में वर्णित प्राचीन भारतीय संस्कृति को जान सकेंगे तथा पर्यावरण को शुद्ध करने वाले वैदिक यज्ञों से परिचित हो सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदसंहिता- विश्वेदेवासूक्तम् (१.८९), पूषन्सूक्तम् (६.५३) एवञ्च मित्रसूक्तम् (३.५९)।	15
II	शुक्लयजुर्वेद:- माध्यन्दिनसंहिता- प्रथमोऽध्याय:- प्रथमकण्डिकात: पञ्चदशकण्डिका यावत्।	15
III	अथर्ववेदसंहिता - दीर्घायु: प्राप्तिसूक्तम् (२.४), कृषिसूक्तम् (३.१७), राज्ञ: स्वराजि पुनःस्थापना (३.३)।	15
IV	ऐतरेयब्राह्मणम्- प्रथमपञ्चिका (प्रथमोऽध्याय:)।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- ऋग्वेदसंहिता, पंडित दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, संस्करण-2019
- ऋग्वेद, डॉ गंगा सहाय शर्मा, विश्व बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, संस्करण-2017
- ऋग्वेद संहिता यथार्थ अनुवाद, महेश चंद्र माहेश्वरी प्रसन्न चंद गौतम, भारतीय विद्या भवन, 2017
- अथर्ववेदसंहिता, पंडित रामस्वरूप शर्मा गौड़, चुखाम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-2011
- शतपथ ब्राह्मण, डॉ. सुंदर नारायण झा, चौखम्बा ओरिएन्टालिया, जनवरी 2021
- यजुर्वेद संहिता, मूलमात्र चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, संस्करण-2016
- यजुर्वेद संहिता, पंडित ईश्वर चंद्र, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली, संस्करण-2018
- यजुर्वेद संहिता, महर्षि दयानंद सरस्वती, आर्य प्रतिनिधि सभा, मुमुक्षुभवन, वाराणसी, संस्करण-2021
- वैदिक वांग्मय का इतिहास, पंडित भगवत दत्त, वैदिक रिसर्च इन्स्टीटयूट, मॉडल टाउन पंजाब, संस्करण-1935
- ऐतरेयब्राह्मण, प्रो. उमेश प्रसाद सिंह, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2016
- ऐतरेयब्राह्मण, डॉ. सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स वाराणसी, 2023

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE503B	तृतीयप्रश्नपत्रम् - प्रक्रिया	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को व्याकरण प्रक्रिया के माध्यम से शब्दरूप सिद्धि का ज्ञान प्राप्त कराना। छात्रों को व्याकरण दर्शन की प्रौढ़ परंपरा से परिचित कराते हुए उत्कृष्ट व्याकरण प्रक्रिया का ज्ञान प्रदान करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र व्याकरण से संबंधित संज्ञा प्रकरण, अच्- हल्- एवं विसर्ग संधि के शब्द रूप की सिद्धि प्रक्रिया जान सकेंगे। संस्कृत व्याकरण के गूढ़ से गूढ़तम व्याकरण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। व्याकरण में शास्त्रार्थ करने की प्रवृत्ति विकसित होगी, तथा व्याकरण के सूत्रों का निगमन छात्र कर सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	मध्यसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरणात् अच्सन्धिपर्यन्तम्। मध्यसिद्धान्तकौमुदी- हल् सन्धिप्रकरणात् विसर्गसन्धिपर्यन्तम्।	24
II	मध्यसिद्धांतकौमुदी- अजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम् 'ङे रामनद्यामनीभ्य:' सूत्रपर्यन्तम्।	12
III	मध्यसिद्धांतकौमुदी- अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्।	12
IV	मध्यसिद्धांतकौमुदी- नपुंसकलिङ्गप्रकरणपर्यंतन्तम्।	12

संस्तुत ग्रन्थ-

- वरदाचार्य कृता मध्यसिद्धांत कौमुदी, डॉ० सुरेश चन्द्र शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2022
- वरदराजाचार्य कृता मध्यसिद्धांत कौमुदी, आचार्य विश्वनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, स्नास्करण- 2020
- वरदराजाचार्य कृता मध्यसिद्धांत कौमुदी, गुरु प्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय गायघाट काशी, 1937
- मध्यसिद्धांतकौमुदी (भैमी व्याख्या), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, संस्करण- 1993

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE503C	तृतीयप्रश्नपत्रम् - काव्यशास्त्रं नाट्यशास्त्रञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को काव्यशास्त्र, काव्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत एवं काव्य की उत्कृष्ट परंपरा का अवबोधन कराना। संस्कृत नाट्यविद्या का सामान्य परिचय कराते हुए नाट्यविधाओं का ज्ञान प्रदान करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के फलस्वरूप छात्र काव्य के व्यंग्यात्मक भेद, रस, रस के भेद, गुणदोषादि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। नाट्यशास्त्र की विधाएं, नाट्य संधियों, नायक- नायिका भेदादि का सम्यक् अध्ययन कर सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	काव्यप्रकाश: - पञ्चमोल्लास:- गुणीभूतव्यंग्य, एवञ्च गुणीभूतव्यंग्यस्य भेदपर्यन्तम्।	15
II	काव्यप्रकाश: - षष्ठमोल्लास:। काव्यप्रकाश: - सप्तमोल्लास:- वाक्यगतदोषपर्यन्तम्।	15
III	दशरूपकम् - प्रथमप्रकाश: - ग्रन्थप्रयोजनम्, नाट्यस्वरूपम्, रूपकभेदा: भेदकतत्वानि च। अर्थप्रकृतय:, कार्यावस्था:, सन्धि- सन्धिभेदश्च, विष्कम्भक: जनान्तिकञ्च।	15
IV	दशरूपकम्- तृतीयप्रकाश: - रूपकभेदा:, चतुर्थो प्रकाश:- आदितो- दशरूपकसिद्धान्तपर्यन्तम्।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- काव्यप्रकाश:, आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल प्रकाशन, संस्करण-2015
- काव्यप्रकाश:, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, संस्करण-2020
- काव्यप्रकाश:, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 1970
- काव्यप्रकाश:, श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, 2020
- काव्यप्रकाश टीकात्रयसंवलिता- गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज, 2006
- काव्यप्रकाश: डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियांटालिया, दिल्ली, संस्करण- 2021
- दशरूपकम् , डॉ. रामशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण-2017
- दशरूपकम्, डॉ. भोला शंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन प्रकाशन, संस्करण-2017
- दशरूपकम्, डॉ. रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या संस्थान वाराणसी, संस्करण-2000
- दशरूपकम्, बैजनाथ पाण्डेय, मोतीमोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, संस्करण-2015
- नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, हजारी प्रसाद द्विवेदी , पृथ्वीनाथ द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, संस्करण द्वितीय 1971

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE503D	तृतीयप्रश्नपत्रम् - न्यायवैशेषिकसिद्धान्तः	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को न्याय एवं वैशेषिक दर्शन परम्परा से परिचित कराते हुए न्याय दर्शन के सिद्धांतों के निरूपण एवं उनके उद्देश्यों की सार्थकता से अवगत कराना।

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात छात्र वस्तुतः अपनी बुद्धि को सुपरिष्कृत, तीव्र और विशद बना सकेंगे। न्यायशास्त्र उच्चकोटि के संस्कृत साहित्य (और विशेषकर भारतीय दर्शन) का प्रवेशद्वार है। उसके प्रारम्भिक परिज्ञान के बिना किसी ऊँचे संस्कृत साहित्य को समझ पाना कठिन है, चाहे वह व्याकरण, काव्य, अलंकार, आयुर्वेद, धर्मग्रन्थ हो या दर्शनग्रन्थ। दर्शन साहित्य में तो उसके बिना एक पग भी चलना असम्भव है।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रहः) द्रव्यनिरूपणम्।	15
II	प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रहः) गुणकर्मनिरूपणम्।	15
III	प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रहः)- सामान्य-विशेष-समवायनिरूपणञ्चेति।	15
IV	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्डम्) शक्तिनिरूपणतः पदनिरूपणपर्यन्तम्।	15

संस्तुत ग्रन्थ -

- प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रहार्थम्), प्रशस्तपाद मुनिप्रणीत, सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि० वि० वाराणसी, 1997
- विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य प्रणीता न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (बालप्रिया), डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2011
- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (कारिकावली), डॉ. गायत्री शुक्ला,
- न्यायदर्शन, आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी, 2015
- वैशेषिक दर्शन (प्रशस्तपादभाष्य), आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी, 2011
- श्रीधरभट्टप्रणीत न्यायकन्दली व्याख्या, सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि० वि० वाराणसी, 1900
- न्यायदर्शन, डॉ. उदय कुमठेकर, प्रसाद प्रकाशन, 2007
- न्यायदर्शन, स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती, पुस्तक मंदिर मथुरा, संस्करण-1968
- भारतीय न्याय शास्त्र, स्वामी अनंत भारती एवं डॉ. ब्रम्हमित्र अवस्थी, चौखम्बा ओरिएण्टल प्रकाशन, 2010

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE504A	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - वेदाङ्गानि	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को वेदाङ्गो के माध्यम से वैदिक शाखाओं के प्रारंभ, स्वरूप और प्रवृत्ति का ज्ञान कराना। वेदों के उच्चारण और स्वर के बारे में जानकारी प्रदान करना। वेदों में वर्णित यज्ञों और अनुष्ठानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना। संस्कृत भाषा के व्याकरण के नियमों को समझाना। वेदों में प्रयोग किए गए शब्दों की व्युत्पत्ति और अर्थ को समझाना। वेदों में प्रयोग किए गए छंदों के बारे में जानकारी प्रदान करना। खगोल विज्ञान और ज्योतिष के बारे में जानकारी प्रदान करना।

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात छात्र वर्ण विवेचन, वर्ण उच्चारण के दोष, संहितागत वर्णसंधिया और क्रम पाठ आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगें। वेदाङ्गो में निहित ज्ञान राशि- शिक्षा, कल्प, निरुक्त, ज्योतिष आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋक्प्रातिशाख्यम्- प्रथमपटलं सम्पूर्णम्।	15
II	ऋक्प्रातिशाख्यम्- द्वितीपटलं सम्पूर्णम्	15
III	पारस्करगृह्यसूत्रम् (प्रथमकाण्डम्)- १ कण्डिकात् १२ कण्डिकां यावत्।	15
IV	वैदिक स्वर परिचय: । सिद्धान्तकौमुदी- वैदिकस्वरसूत्राणि।	15

संस्तुत ग्रन्थ -

- महर्षि शौनकप्रणीतं ऋक्प्रातिशाख्यम्, युगल किशोर व्यास, प्रभदत्त शर्मा, बुक ऑन डिमाण्ड लिमिटेड, संस्करण-2020
- ऋक्प्रातिशाख्यम्, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, संस्कृत ग्रन्थमाला, संस्करण-1970
- पारस्करगृह्यसूत्रम्, डॉ. सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी, प्रथम संस्करण-1995
- पारस्करगृह्यसूत्रम्, डॉ. जगदीश मिश्र, चौखम्बा पब्लिकेशन वाराणसी, संस्करण-2022
- पारस्करगृह्यसूत्रम्, पारस्कर चौखम्भा ओरिएंटालिया दिल्ली, 2003
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण 2021
- वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, श्री गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण- 1 जनवरी 2016

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE504B	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - व्याकरणदर्शनम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को भाषा की संरचना, नियमों, और शब्दों के अर्थ का अध्ययन एवं उनके प्रयोग को समझाना है। छात्रों के संचार कौशल की वृद्धि करके विषयों को जानने में सक्षम बनाना है।

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र व्याकरण दर्शन के महत्वपूर्ण अंगों को समझ सकेंगे तथा व्याकरण प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा वाक्य रचना का विश्लेषण और भाषा के प्रयोग को समझ सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वाक्यपदीयम्- आदितो ४३ कारिकां यावत्। (शब्दब्रह्मस्वरूपम्, शब्दब्रह्मण: शक्तय:, व्याकरणप्रयोजनं, शब्दनित्यता, व्याकरणनिर्माणप्रक्रियायाम् आगमप्रमाणश्च)	15
II	वाक्यपदीयम्- ४४ कारिकात् ७४ कारिकां यावत्। (शब्दभेदा:, शब्दवाक्ययोश्चैकत्वम्)	15
III	वाक्यपदीयम्- ७५ कारिकात् १०६ कारिकां यावत्। (स्फोट-ध्वनि:, पद-वाक्यं वर्णपदवाक्यग्रहणञ्च)	15
IV	वाक्यपदीयम्- १०७ कारिकात् १३२ कारिकां यावत्। (शब्दभावोत्पत्ति:, शब्दब्रह्मण:, सर्वव्यापकता, वाग्रूपताया: अनुगमश्च)	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), पं. शिवशंकर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-2016
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), सूर्यनारायण शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी, संस्करण-2023
- वाक्यपदीयम् (पदकाण्डपर्यन्तम्), डॉ. वेद प्रकाश मिश्र, डॉ. कुंदन कुमार, सारस्वत पब्लिकेशन पटना, संस्करण-2023
- वाक्यपदीयम् (वाक्यकाण्डम्), डॉ. वेद प्रकाश मिश्र, डॉ. कुंदन कुमार सारस्वत पब्लिकेशन पटना, संस्करण-2023
- वाक्यपदीयम्, पं. श्री रघुनाथ शर्मा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्करण, 2016
- वाक्यपदीयम्, पं. शिवशंकर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-2016

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE504C	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - गद्यपद्यकाव्यम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

अध्येताओं को संस्कृत गद्यकाव्य एवं महाकाव्य का सम्यक् अवबोधन कराना। काव्य में निहित रस, छन्द, अलङ्कार एवं शैलियो का ज्ञान प्रदान करना। गद्य पद्य काव्य के वैशिष्ट्य एवं गद्य एवं पद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना है ।

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात अध्येता पद्य काव्य की छन्दोमयी माधुर्यता का रसास्वादन, कथा साहित्य की शैलीगत उत्कृष्टता एवं महाकाव्य की पौराणिकता और ऐतिहासिकता से परिचित हो सकेंगे |

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) सम्पूर्णम्	15
II	कादम्बरीकथामुखम् - आरम्भतः शुकवर्णनपर्यन्तम्	15
III	कादम्बरीकथामुखम्- सभाभङ्गतः विन्ध्याटवीवर्णनपर्यन्तम्।	15
IV	अश्वघोषकृत बुद्धचरितम्- प्रथमसर्गः सम्पूर्णम् ।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) सम्पूर्णम्, डॉ० जितेन्द्र अग्रवाल, हंसा प्रकाशन जयपुर, संस्करण- 2017
- दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) सम्पूर्णम्, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर, संस्करण- 2016
- दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) सम्पूर्णम्, श्री निवास शर्मा, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, प्रथम संस्करण
- कादम्बरीकथामुखम्, पं विश्वनाथ त्रिपाठी,
- कादम्बरीकथामुखम्, डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरिएण्टल दिल्ली, 2021
- कादम्बरीकथामुखम्, डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंस प्रकाशन जयपुर, 2018
- कादम्बरीकथामुखम्, डॉ. उमाकांत चतुर्वेदी, हंस प्रकाशन जयपुर, 2024
- कादम्बरीकथामुखम्, डॉ. नर्मदेश्वर कुमार त्रिपाठी, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी
- अश्वघोषकृतं बुद्धचरितम्, महंत रामचंद्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण- 1977
- अश्वघोषकृतं बुद्धचरितम्, सूर्य नारायण चौधरी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1 जनवरी 2008

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNE504D	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - बौद्धमीमांसादर्शनञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को बौद्ध दर्शन की परम्परा से परिचित कराते हुए मीमांसा दर्शन के प्रौढ़ चिंतन का ज्ञान कराना। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मीमांसा दर्शन की समृद्ध परंपरा को प्रकाश में लाना है।

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात छात्र बौद्ध दर्शन के सिद्धांत 'शून्यवाद' (विज्ञानवाद) को समझ सकेंगे। बौद्ध दर्शन एवं मीमांसा दर्शन की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। भारतीय रीति-रिवाजों के लिए उपयोगी विभिन्न गतिविधियों के तर्क को समझने में सक्षम होंगे। आत्मा के अस्तित्व और दैवीय सशक्तिकरण को मुक्त कर इन्द्रिय भोग की उपेक्षा करने का अभ्यास कर सकेंगे।

Credits: 4	Optional/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	नागार्जुनकृता पूर्वमाध्यमिककारिका- त्रयोदशप्रकरणम्।	15
II	नागार्जुनकृता पूर्वमाध्यमिक-कारिका- अष्टादशप्रकरणम्।	15
III	नागार्जुनकृता पूर्वमाध्यमिककारिका- चतु:विशतिप्रकरणम्।	15
IV	मीमांसादर्शनस्य प्रमाणानि। मीमांसादर्शनस्य प्रमेयानि।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- नागार्जुन कृत मूल माध्यमिक कारिका, ऑनलाइन पी. डी. ऍफ़ अर्कायिब जार्नल
- मध्यमकशास्त्र और विग्रह व्यावर्तनी, यशदेव शल्य, मोतीलाल बनारसीदास प्रथम संस्करण- 1990
- मीमांसादर्शनम्- विधोदयभाष्यम्, आचार्य उदयवीर शास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हंसानंद, 2018
- जैमिनीय- मीमांसा-भाष्यम्, पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, 2020
- मीमांसा दर्शन में प्रमाण विमर्श, डॉ. पवन व्यास, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी,
- संस्करण- 2019
- सर्वदर्शनसंग्रह, माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली, 2020

Programs /Class: PG Degree कार्यक्रम/वर्ग : परास्नातक उपाधि	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: IX सेमेस्टर : नवम
विषय – संस्कृत		
MSNP505	लघुशोधप्रबन्धः	

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNC511	**प्रथमप्रश्नपत्रम् - व्याकरणमनुवादश्च**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को संस्कृत व्याकरण की प्रक्रिया (व्यावहारिक पक्ष) से परिचित कराते हुए व्यावहारिक संस्कृत का ज्ञान प्राप्त कराना जिससे वे दैनन्दिन व्यवहार में संस्कृत भाषा का अधिकाधिक प्रयोग कर सके।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के फलस्वरूप छात्र संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता को समझ सकेंगे। संस्कृत ग्रन्थों के पठन- पाठन, लेखन तथा बोलचाल की भाषा के रूप में इसका प्रयोग एवं अनुप्रयोग कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	सिद्धांतकौमुदी (कारकप्रकरणम्) (कर्ता एवञ्च कर्मकारकम्)	15
II	सिद्धांतकौमुदी (कारकप्रकरणम्), (करणं तथा च सम्प्रदानकारकम्)	15
III	सिद्धांतकौमुदी (कारकप्रकरणम्) (अपादानकारकं तथा च सम्बन्धः-षष्ठी विभक्ति)	15
IV	सिद्धांतकौमुदी (कारकप्रकरणम्), अधिकरणकारकम्।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, श्री गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण- 1 जनवरी 2016
- मध्यसिद्धान्तकौमदी- कारकप्रकरणम्, प्रो. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद, 2003
- मध्यसिद्धान्तकौमदी- कारकप्रकरणम्, आचार्य श्री गुरुप्रसाद शास्त्री, श्री सीताराम शास्त्री, प्रोफ० बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण- 2022
- सरल रचना अनुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2024
- प्रौढ़ रचना अनुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2011
- वाग्व्यवहार:- (प्रथम-दीक्षा) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय नव देहली, 2001
- व्यवहारप्रदीप:- (द्वितीय-दीक्षा) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय नव देहली, 2001

Programs/**Class: PG DEGREE** कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNC512	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - आधुनिकसंस्कृतकाव्यम्	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक संस्कृत महाकाव्य काव्य की निरंतरता को उसके पारंपरिक शैलियों में प्रदर्शित करना है। छात्रों में ऐतिहासिक राष्ट्रवादी और धार्मिक प्रवृत्ति का समावेश करना है और यह दिखाने का प्रयास करना है कि संस्कृत काव्य एक जीवित परंपरा कैसे है ?

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्र आधुनिक संस्कृत गद्य के प्रमुख नमूनों का ज्ञान प्राप्त करेंगे और कविता की संस्कृत काव्य के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण की समझ होगी। काव्य के आधुनिक और प्राचीन विचारों की तुलना कर सकेंगे। निर्धारित ग्रंथों को समझाने और समालोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता हासिल करेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ अनिवार्यम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	आधुनिकसंस्कृतमहाकाव्यानां-महाकविकृतीनाञ्च परिचय:। जानकीजीवनम्, वामनावतरणम्, कुमारविजयम्, प्रो० राजेन्द्रमिश्र:, प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी	15
II	आधुनिक-संस्कृतगीतानि, गीतिकाव्यानि च।	15
III	आधुनिकसंस्कृतकथा, उपन्याससाहित्यानि च।	15
IV	आधुनिकसंस्कृतनाट्यसाहित्यानि।	15

संस्तुत ग्रन्थ-

- संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र , प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2025
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, पायल इन्टरप्राइजेज, 1 जनवरी 2013
- संस्कृत साहित्य सौरभ, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, शास्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, 2017
- नया साहित्य तथा नया साहित्यशास्त्र, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी
- संस्कृत कविता की लोकधर्मी परम्परा, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, रामकृष्ण प्रकाशन विदिशा, मध्य प्रदेश, प्रथम संस्करण, 2000
- आधुनिकसंस्कृतसाहित्येतिहासः, राजकुमार दधीच, हंसा प्रकाशन, जयपुर, संस्करण, 2025
- आधुनिक संस्कृत साहित्य काव्य परम्परा. केशवनाथ मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2004
- अर्वाचीन संस्कृत काव्य एवं काव्य शास्त्र डॉ0 स्मिता अग्रवाल, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद, संस्करण- 2017
- आधुनिक संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, भारतीय विद्या.कॉम, 2023

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE513A	तृतीयप्रश्नपत्रम् - संहिता एवञ्च ब्राह्मणमीमांसा	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को वैदिक संहिताओं के विशिष्ट प्रतिपाद्य विषय से अवगत कराना एवं ब्राह्मण ग्रंथों के वैशिष्ट्य से परिचित कराते हुए यज्ञोपयोगी मीमांसा दर्शन का ज्ञान कराना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र ऋग्वेद संहिता शुक्ल यजुर्वेद संहिता ब्राह्मण ग्रन्थ में वर्णित वैदिक संस्कृति एवं परंपरा से परिचित हो सकेंगे, तथा सामाजिक व्यवहार में इसका पालन सुनिश्चित करेंगे एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु दृढ संकल्पित होंगें।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ऋग्वेदसंहिता- पूषनसूक्तम् (६.५३), सोमसूक्तम् (९.८०), पितृसूक्तम् (१०.१५)।	15
II	शुक्लयजुर्वेद:- माध्यन्दिनसंहिता- द्वितीयोऽध्याय: १ कण्डिकात् १८ कण्डिकापर्यन्तम्।	15
III	अथर्ववेदसंहिता- शालानिर्माणसूक्तम् (३.१२), सर्पविषनाशनम् (५.१३), राष्ट्रसभा (७.१३)।	15
IV	अर्थसंग्रह:- आदितो विनियोगविधिपर्यन्तम् एवञ्च प्रयोगविधे: सामान्य-परिचय:।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- ऋक्सुक्तसङ्ग्रहः, डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ, संस्करण- 1960
- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर, संस्करण- 2021
- वेदचयनम्, विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 1984
- ऋग्वेद संहिता, पं. दामोदरपतद सातवलेकर, नाग प्रकाशन, 2019
- अथर्ववेदसंहिता, पंडित रामस्वरूप शर्मा गौड़, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-2011
- यजुर्वेद संहिता, मूलमात्र चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, संस्करण-2016
- यजुर्वेद संहिता, पंडित ईश्वर चंद्र, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली, संस्करण-2018
- यजुर्वेद संहिता, महर्षि दयानंद सरस्वती, आर्य प्रतिनिधि सभा, मुमुक्षुभवन, वाराणसी, संस्करण-2021
- अर्थसंग्रह, डॉ. कामेश्वर नाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2012
- अर्थसंग्रह, डॉ. दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-2003

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : परास्नातक उपाधि	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE513B	तृतीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणसाहित्येतिहासः	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

महाभाष्य द्वितीय आह्निक के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य व्याकरण की गहरी समझ प्राप्त कराना है। इसमें प्रतिपादित पाणिनि के सूत्रों की विस्तृत व्याख्या के माध्यम से छात्रों को व्याकरण के नियमों को समझाना है। महाभाष्य द्वितीय आह्निक में भाषा के नियमों का विस्तृत विश्लेषण द्वारा छात्रों को भाषा के प्रयोग को समझने का प्रयास करना है।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस ग्रंथ के अध्ययन से छात्रों को भाषा के प्रयोग को समझने में मदद मिलती है और वे अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकते हैं। विश्लेषणात्मक कौशल: महाभाष्य द्वितीय आह्निक के अध्ययन से छात्रों को विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है, जिससे वे जटिल व्याकरणिक संरचनाओं को समझ सकते हैं।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	व्याकरणशास्त्रस्येतिहास:।	15
II	महाभाष्यम् (द्वितीयाह्निकम्) - आदितो ऐऔच् पर्यन्तम्।	15
III	महाभाष्यम् (द्वितीयाह्निकम्) - हयवरट् इत्यत: वर्णार्थवत्ताधिकरणपर्यन्तम्।	15
IV	'प्रत्याहारेऽनुबन्धानां कथमज्ग्रहणेषु न' 'इति' वार्तिकात् द्वितीयाह्निकसमाप्तिं यावत्।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः- डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, प्रथम संस्करण
- संस्कृत व्याकरण कौमुदी, पं० गोपालचन्द्र वेदांतशास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण-1967
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास, आचार्य युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, संस्करण- 2020
- व्याकरणमहाभाष्यम्, जय शंकर लाल त्रिपाठी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी,2021
- व्याकरणमहाभाष्यम्, (प्रथमं) पस्पशाह्निकम् - वेद प्रकाश विद्यावाचस्पति, मेहर चन्द्र लक्ष्मण दास पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2011

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE513C	तृतीयप्रश्नपत्रम् - रूपकं छन्दांसि	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न घटकों जैसे कथानक अभिनेता और नाटकीय आलोचना के रस से परिचित कराना है। संस्कृत साहित्य के नाटकों में प्रतिपादित तत्कालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से परिचित कराना है।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्रों को विभिन्न शब्दावली यानी कथानक अभिनेता और रस आदि के बारे में गहन ज्ञान होगा। आलोचना के लिए एक नाटकीय रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	मृच्छकटिकम्- प्रथमाङ्कः सम्पूर्णम्।	20
II	मृच्छकटिकम्- षष्ठोऽङ्कः सम्पूर्णम्।	20
III	मात्रिकछन्दांसि- आर्याप्रकरणम्- आर्यासामान्य-पथ्या-विपुला-चपला- मुखचपला-जघनचपलालक्षणानि च। अनुष्टुपप्रकरणम्- वक्त्र, पथ्यावक्त्र, विपुला, भविपुला, रविपुलाश्च।	10
IV	त्रिष्टुपप्रकरणम्- इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, रथोद्धता, स्वागताश्च, द्रुतविलम्बितम्, भुजंगप्रयातम, प्रियंवदा, मणिमाला, स्रग्विणी, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्।	10

संस्तुतग्रन्थाः

- महाकविशूद्रकप्रणीतं मृच्छकटिकम्, डॉ० राकेश शास्त्री, चौखम्बा ऑरिएन्टालिया, दिल्ली, संस्करण-2024
- महाकविशूद्रकप्रणीतं मृच्छकटिकम्, आचार्य जगदीश चंद्र मिश्र, संस्करण-2014
- महाकविशूद्रकप्रणीतं मृच्छकटिकम्, जेनरिक पब्लिकेशन, 11वां संस्करण, 2015
- महाकवि शूद्रकप्रणीतं मृच्छकटिकम्, डॉ. जयशंकर लाल त्रिपाठी, कृष्णदास संस्कृत सीरीज प्रथम संस्करण
- वृत्तरत्नाकर, धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, 2016
- वृत्तरत्नाकर, डॉ० बृज किशोर त्रिपाठी, भारतीय विद्या संस्थान वाराणसी, संस्करण-2008
- वृत्तरत्नाकर, बलदेव उपाध्याय, डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2017

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE513D	तृतीयप्रश्नपत्रम् - न्यायसूत्रयोगदर्शनञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति और तत्त्वज्ञान की समझ को बढ़ावा देना है। तर्कशास्त्र के नियमों और सिद्धांतों का विकास करना है, जिससे ज्ञान की प्राप्ति छात्रों को न्याय दर्शन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराते हुए योग दर्शन के सिद्धांतों का ज्ञान प्रदान करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्रों को विभिन्न शब्दावली यानी कथानक अभिनेता और रस आदि के बारे में गहन ज्ञान होगा। आलोचना के लिए एक नाटकीय रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	गौतमन्यायसूत्रम् (प्रथमाह्निको) – (१-११ सूत्रपर्यन्तम्)	15
II	गौतमन्यायसूत्रम् (प्रथमाह्निको) (१२-२२ सूत्रपर्यन्तम्)	15
III	पतंजलियोगदर्शनम् (योगसूत्रम्) समाधिपादः- (१ - २४ सूत्रं यावत्)	15
IV	पतंजलियोगदर्शनम् (योगसूत्रम्) समाधिपादः- (२५ - अन्तिमं सूत्रं यावत् एवञ्च) (साधनपादः- प्रथमसूत्रात्- १५ सूत्रं यावत्)	15

संस्तुतग्रन्थाः

- महर्षिगौतमप्रणीतं न्यायदर्शनम् (वात्स्यायनभाष्यसहितम्), आचार्य बुद्धिराज शास्त्री
- महर्षिगौतमप्रणीतं न्यायदर्शनम्- ज्ञानेश्वर आर्य, वानप्रस्थ साधक आश्रम, गुजरात, 2017
- पातंजलयोगदर्शनम्- डॉ० सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2015
- पातंजलयोगदर्शनम् - पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योग दर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर 2001
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुरेश चंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2021

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE514A	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - वेदाङ्गानुक्रमणी	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को वेदांग, अनुक्रमणी साहित्य तथा मूल वैदिक छन्दों का ज्ञान कराना। वेद मे प्रयुक्त शब्दों की व्युत्पत्ति एवं निर्वचन का ज्ञान कराना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र वैदिक छन्दों का ज्ञान, शब्दों की व्युत्पत्ति एवं निर्वचन का ज्ञान प्राप्त कर वैदिक मंत्रों का स्वरबद्ध गान कर सकेंगे और वैदिक परम्परा को संरक्षित कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	निरूक्तम् (प्रथमोऽध्यायः)- 1-2 पादं यावत्	15
II	निरूक्तम् (प्रथमोऽध्यायः)- 3-4 पादं यावत्	15
III	निरूक्तम्, (द्वितीयोऽध्यायः), प्रथमपादः सम्पूर्णम् एवञ्च निरूक्तम्, (सप्तमोऽध्यायः) 1-4 पादं यावत्	15
IV	वैदिकछन्दांसि - गायत्री-उष्णिक्-अनुष्ट्-त्रिष्टुप्, जगती-वृहती-पङ्क्तिश्च	15

संस्तुतग्रन्थ-

- निरुक्तम् (भाष्य टीका), स्कन्द स्वामी महेश्वर, परिमल पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2012
- महर्षियास्ककृत निरुक्तम्, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, 2022
- महर्षियास्ककृत निरुक्तम्, डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा संस्कृत सीरीज प्रथम संस्करण
- यास्कप्रणीत निघण्टु तथा निरुक्त, सत्यभूषण योगी- शशि कुमार, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स दिल्ली,2015
- निरुक्त मीमांसा, शिव नारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली, 1 जनवरी 2021

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE514B	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - परिभाषालकारमीमांसा	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को व्याकरण की शास्त्र परंपराओं का ज्ञान कराते हुए नागेशभट्ट की परिभाषाओं एवं श्रीमद् कौण्डभट्ट के लकारार्थ प्रक्रिया का अवबोधन कराना। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में संस्कृत व्याकरण की गहरी समझ विकसित करना जिससे वे संस्कृत व्याकरण के नियमों और संरचना को समझ सकें। इस ग्रंथ के माध्यम से छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि करना तथा भाषा की सटीकता की समझ पैदा करना है।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होगी तथा अपने विचारों को इस भाषा के माध्यम से स्पष्ट और सटीक ढ़ंग से व्यक्त करने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखरः- (प्रथमतन्त्रम्)- प्रथमत: नवपरिभाषापर्यन्तम्।	15
II	नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखरः,(प्रथमतन्त्रम्) दशत: अष्टादशपरिभाषापर्यन्तम्।	15
III	नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखरः- (प्रथमतन्त्रम्)-ऊन विंशतित: पञ्चविंशति: परिभाषापर्यन्तम्।	15
IV	वैयाकरणभूषणसारः- लकारार्थस्य प्रथमद्वितीयकारिकामात्रम्। धात्वर्थनिरूपणम्।	15

संस्तुतग्रन्थ-

- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, सुबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित,आचार्य विश्वनाथ मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2022
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, जयकृष्ण दास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, संस्करण-1943
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, तात्या शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2012
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, श्री गोविंद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 1944
- श्रीमद् कौण्डभट्टविरचित:, वैयाकरणभूषणसार:, पं. चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, तृतीय संस्करण, 2001
- वैयाकरणभूषणसार:, श्री प्रभाकर मिश्र, संस्कृत अकादमी लखनऊ, प्रथम संस्करण- 1922
- वैयाकरणभूषणसार:, पंडित नंदकिशोर शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, प्रथम संस्करण- 1991
- वैयाकरणभूषणसार:, श्री भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन
- वैयाकरणभूषणसार:, आचार्य देवदत्त शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान, 2016
- वैयाकरण भूषणसार दीपिका, श्री राम किशोर त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2012

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE514C	चतुर्थप्रश्नपत्रम् - काव्यमीमांसागद्यकाव्यञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को धन्यलोक के सिद्धांत एवं गद्य काव्य से परिचित कराना है। काव्य के सौंदर्य की समझल विकसित करना, साहित्यिक विश्लेषण कौशल और काव्य के विभिन्न तत्वों को समझाना है।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र मौजूद शर्तों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। इस ज्ञान को काव्य में विचारोत्तेजक अर्थ के आलोक में समालोचनात्मक विश्लेषण के लिए लागू करने में सफल होंगे। गद्य के भावों की सराहना और आनंद लेने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ध्वन्यालोकः, (प्रथमोद्योतः) १२-13 कारिकापर्यन्तम्। मूलपाठस्य व्याख्यात्मकम् अध्ययनम्। तथा च चतुर्थोद्योतः प्रथमकारिकातः पञ्चमकारिकापर्यन्तम्। मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्।	15
II	ध्वन्यालोकः - चतुर्थोद्योतः षष्ठमकारिकात् अन्तिमां कारिकां यावत्।	15
III	हर्षचरितम् (प्रथमोच्वासः) आदितो 'अष्टादशवर्षदेशीयं युवानमद्राक्षीत्' पर्यन्तम्।	15
IV	हर्षचरितम्- प्रथमोच्वासः - 'पार्श्वे च तस्य' इत्यतः अन्तपर्यन्तम्।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- ध्वन्यालोकः- शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2001
- ध्वन्यालोकः- आचार्य विश्वेश्वर, वाराणसी ज्ञानमंडल लिमिटेड, तृतीय संस्करण- 1998
- ध्वन्यालोकः- डॉ० गंगासागर राय, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, 2022
- हर्षचरितम्, आचार्य श्री मोहन देव पंत, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, 2017
- हर्षचरितम्, पंडित श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, 2022

Programs/Class: PG DEGREE कार्यक्रम/वर्ग : **परास्नातक उपाधि**	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNE514D	**चतुर्थप्रश्नपत्रम् - माण्डूक्यकारिकशाङ्करवेदान्तश्च**	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

छात्रों को वेदांत दर्शन के मूलभूत सिद्धांत से परिचित कराते हुए 'शङ्कराचार्य की दृष्टि में अद्वैत वेदांत' से परिचित कराना तथा माण्डूक्यकारिका के प्रकरणों एवं शाङ्करभाष्य के महत्व तथा अवदान का बोध कराना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस कोर्स के अध्ययन के फलस्वरुप छात्र वेदांत दर्शन के प्रतिपाद्य विषय अद्वैतवाद को समझ सकेंगे, तथा निराकार ब्रह्म का आत्मसाक्षात्कार कर सकेंगे।

Credits: 4	Core Compulsory/ **वैकल्पिकम्**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	माण्डूक्यकारिका- प्रथमप्रकरणं सम्पूर्णम्।	15
II	माण्डूक्यकारिका- चतुर्थ प्रकरणं सम्पूर्णम्।	15
III	ब्रह्मसूत्रम्- प्रथमसूत्रम् (शाङ्करभाष्यम्)।	15
IV	ब्रह्मसूत्रम्- द्वितीततृतीयश्च सूत्रम् (शाङ्करवेदान्तम्)।	15

संस्तुतग्रन्थ-

- सर्वदर्शन संग्रह:- उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 1968
- माण्डूक्योप्निषद्, बद्रीदत्त शर्मा, मेरठ, 1964
- माण्डूक्यकारिका स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती, सत साहित्य प्रकाशन केन्द्र, 2015
- महर्षिबादरायणप्रणीतं ब्रह्मसूत्रम्, विनीत सिंह, सास्ता साहित्य, 1 जनवरी 2023
- महर्षिबादरायणप्रणीतं ब्रह्मसूत्रम्, शंकराचार्य, श्री कैलाश आश्रम ऋषिकेश, 2001
- ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, संस्करण प्रथम
- ब्रह्मसूत्रम्, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर
- गौड़पाद माण्डूक्यकारिका, स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती, 2024

Programs /Class: PG Degree कार्यक्रम/वर्ग : परास्नातक उपाधि	Year : Fifth वर्ष- पञ्चम	Semester: X सेमेस्टर : दशम
विषय – संस्कृत		
MSNP515	लघुशोधप्रबन्धः	

Programs/Class: PGDR IN SUBJECT कार्यक्रम/वर्ग : अनुसन्धाने परास्नातक डिप्लोमा	Year : Sixth वर्ष- षष्ठम	Semester: XI सेमेस्टर : एकादश
विषय – संस्कृत		
DSNC601C	प्रथमप्रश्नपत्रम् - वैदिकसाहित्ये अनुसन्धानाय उपागमा: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन का उद्देश्य वैदिक साहित्य के शोध के विविध उपागमों से परिचित कराना तथा शोध की नई संभावनाओं पर प्रकाश डालना हैं।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात् शोधार्थी वैदिक साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसन्धान के नये आयामों से परिचित होकर भारतीय ज्ञान परम्परा के समृद्धशाली वैभव में योगदान कर सकेगा।

Credits: 2	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 55%

Total No. of Lectures-60, Per week (in hours): 4 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वेदेषु अनुसंधानस्य विविधा: आयामा:	15
II	वैदिकसाहित्ये नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयः	15

संस्तुतग्रन्थ-

- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक रामनारायणलाल विजय कुमार, कटरारोड प्रयागराज, 2020
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० उमाशंकर ऋषि, प्रकाशक- जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर, 1 जनवरी 2024
- वैदिक साहित्य का इतिहास, प्रो० पारसनाथ द्विवेदी, प्रकाशक- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2012
- वैदिक साहित्य का इतिहास, न्यू भारतीय बुक्स कार्पोरेशन, डॉ० जयदेव वेदालंकार, 2018
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2018
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरुप, डॉ० ओम प्रकाश पाण्डेय, प्रकाशक- विश्व प्रकाशन नई दिल्ली, 1994

Programs/Class: PGDR (SANSKRIT) कार्यक्रम/वर्ग : अनुसन्धाने परास्नातक डिप्लोमा	Year : Sixth वर्ष- षष्ठम	Semester: XI सेमेस्टर : एकादश
विषय – संस्कृत		
DSNC602C	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - पुराणेतिहास-धर्मशास्त्रागमे चानुसन्धाना य उपागमा: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन का उद्देश्य पुराण, इतिहास एवं स्मृति ग्रन्थों में शोध के विविध उपागमों से परिचित कराना तथा शोध की नई संभावनाओं पर प्रकाश डालना हैं।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात् शोधार्थी पुराण, इतिहास एवं स्मृति ग्रन्थों के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसन्धान के नये आयामों से परिचित होकर भारतीय ज्ञान परम्परा के समृद्धशाली वैभव में योगदान कर सकेगा।

Credits: 2	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 55%

Total No. of Lectures-30, Per week (in hours): 2 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	पुराणेतिहासे अनुसन्धानाय उपागमा: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	15
II	धर्मशास्त्रागमे अनुसन्धानाय उपागमा: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	15

संस्तुतग्रन्थाः

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० उमाशंकर ऋषि, प्रकाशक- जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर, 1 जनवरी 2024
- शतपथ ब्राह्मण, पं० गंगा प्रसाद उपाध्याय चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 2019
- वेदसंग्रह, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, नवीनतम संस्करण
- वेद ग्रंथावली, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, नवीनतम संस्करण
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2018
- पुराण संग्रह, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, नवीनतम संस्करण
- पुराण ग्रंथावली, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, नवीनतम संस्करण
- कल्याण महाभारत अंक, गीताप्रेस, गोरखपुर, नवीनतम संस्करण
- महाभारत, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, नवीनतम संस्करण

Programs/Class: PGDR (SANSKRIT) कार्यक्रम/वर्ग : अनुसन्धाने परास्नातक डिप्लोमा	Year : Sixth वर्ष- षष्ठम	Semester: XI सेमेस्टर : एकादश
विषय – संस्कृत		
DSNC603C	तृतीयप्रश्नपत्रम् - पालि-संस्कृतसाहित्ययो: अनुसन्धानाय मूलतत्त्वानि नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन का उद्देश्य शोध छात्रों में पाली एवं संस्कृत साहित्य में शोध के माध्यम से प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता की गहरी समझ विकसित करना। पालि एवं संस्कृत साहित्य में शोध के माध्यम से बौद्ध और हिंदू धर्म की शिक्षाओं और सिद्धांतों की समझ विकसित करना। पाली एवं संस्कृत साहित्य में शोध के माध्यम से प्राचीन भारतीय दर्शन और विचारधारा की समझ प्राप्त करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात् शोधार्थी को प्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, पालि एवं संस्कृत साहित्य के सिद्धांतों और शिक्षाओं को समझने में मदद मिलेगी। प्राचीन भारतीय दर्शन और विचारधारा की समझ प्राप्त होगी और इन ग्रंथों के साहित्यिक और ऐतिहासिक महत्व को समझने में मदद मिलेगी।

Credits: 2	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 55%

Total No. of Lectures-30, Per week (in hours): 2 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	पालि-संस्कृतसाहित्ययो: अनुसन्धानाय मूलतत्त्वानि	15
II	पालि-संस्कृतसाहित्ययो: अनुसन्धानाय उपागमा: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च	15

संस्तुतग्रन्थाः

- पालि साहित्य का इतिहास: राहुल सांकृत्यायन द्वारा लिखित, सम्यक प्रकाशन 2020
- पालि भाषा और साहित्य - डॉ. इन्द्रचंद्र शास्त्री, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, 2010
- पालि शब्दकोश: अंग्रेजी- पालि और पालि -अंग्रेजी शब्दकोश मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स वाराणसी, 2011
- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, चन्द्र शेखर पाण्डेय, प्रकाशक- साहित्य निकेतन कानपुर, प्रथम संस्करण- 1945
- संस्कृत साहित्य में शोध, डॉ.हंसराज अग्रवाल , प्रकाशक चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, 1988
- संस्कृत साहित्य में शोध के तरीके, डॉ. रामलखन शर्मा, प्रकाशक: शारदा प्रकाशन, प्रथम संस्करण
- संस्कृत साहित्य में अनुसंधान, डॉ. विजय कुमार शर्मा, प्रकाशक भारतीय ज्ञानपीठ, प्रथम संस्करण
- संस्कृत साहित्य की शोध-प्रवृत्तियाँ, डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री, प्रकाशक भारतीय ज्ञानपीठ, प्रथम संस्करण

Programs/Class: PGDR (SANSKRIT) कार्यक्रम/वर्ग : अनुसन्धाने परास्नातक डिप्लोमा	Year : Sixth वर्ष- षष्ठम	Semester: XI सेमेस्टर : एकादश
विषय – संस्कृत		
DSNC604C	चतुर्थप्रश्नपत्रम् प्राचीननव्यव्याकरणयोः नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयः	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

प्राचीन एवं नव्य व्याकरण में शोध के माध्यम से व्याकरणिक संरचना की गहरी समझ प्राप्त करना। शोध के माध्यम से भाषा के विकास की प्रक्रिया को समझना, व्याकरण में शोध के माध्यम से व्याकरणिक सिद्धांतों की समझ प्राप्त करना। प्राचीन एवं नव्य व्याकरण के बीच व्याकरणिक संरचना का तुलनात्मक अध्ययन करना, व्याकरण के माध्यम से भाषा के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन करनात तथा शोध के माध्यम से व्याकरणिक सिद्धांतों का विकास करना।

अधिगम: (Learning / Outcome):

प्राचीन एवं नव्य व्याकरण में शोध के परिणामस्वरूप व्याकरणिक संरचना की गहरी समझ प्राप्त होगी। शोध के परिणामस्वरूप भाषा के विकास की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। प्राचीन एवं नव्य व्याकरण में शोध के परिणामस्वरूप व्याकरणिक सिद्धांतों का विकास होगा।

Credits: 2	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 55%

Total No. of Lectures-30, Per week (in hours): 2 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	प्राचीननव्यवयाकरणयोः व्याकरणिकसिद्धान्तानां विकासप्रक्रियायां शोधसम्भावना	15
II	प्राचीननव्यवयाकरणयोः तुलनामकमध्ययनम्	15

संस्तुतग्रन्थाः

- वरदराजाचार्यकृता मध्यसिद्धांतकौमुदी, आचार्य विश्वनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स वाराणसी, संस्करण-2011
- नागेशभट्टेन प्रणीता परमलघुमञ्जूषा, डॉ० लोकमणि दाहाल, चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन वाराणसी, संस्करण- 2011
- लघुसिद्धांतकौमुदी (भैमी व्याख्या), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन लाजपत राय मार्केट, नई दिल्ली, संस्करण-2009
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, सुबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित, आचार्य विश्वनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण- 2019
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, श्री नारायण मिश्र, चौखम्बा ओरियन्नटालिया प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण- 2024
- नागेशभट्टविरचित: परिभाषेन्दुशेखर:, श्री गोविंद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण -1944
- श्रीमद् कौण्डभट्टविरचित:, वैयाकरणभूषणसार:, पं. चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, संस्करण-2018
- वैयाकरणभूषणसार:, श्री प्रभाकर मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी संस्करण- 2004 एवं 2016
- वैयाकरणभूषणसार:, पं० नंदकिशोर शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी संस्करण-2016 एवं 2021
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), पं. शिवशंकर अवस्थी, प्रकाशन संस्करण- 2019
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), सूर्यनारायण शुक्ल, चौखंभा संस्कृत सीरीज वाराणसी संस्करण-1962
- वाक्यपदीयम् (पदकाण्डपर्यन्तम्), डॉ. वेद प्रकाश मिश्र, डॉ. कुंदन कुमार, सारस्वतम् पब्लिकेशन, पटना संस्करण-2023

Programs/Class: PGDR (SANSKRIT) कार्यक्रम/वर्ग : अनुसन्धाने परास्नातक डिप्लोमा	Year : Sixth वर्ष- षष्ठम	Semester: XI सेमेस्टर : एकादश
विषय – संस्कृत		
DSNC605C	पञ्चमप्रश्नपत्रम् - शोधप्रविधिः पाण्डुलिपिविज्ञानञ्च	

पाठ्यक्रमोद्देश्यानि (Course Objectives):

शोध का मुख्य उद्देश्य अज्ञात तथ्यों की खोज करना है। नए सिद्धांतों, अवधारणाओं, या विधियों के विकास की खोज करना है। शोध का उपयोग मौजूदा समस्याओं की पहचान करने और उनके समाधान का परिक्षण कर शोध का उपयोग मौजूदा सिद्धांतों की वैधता और विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए सहायता करेगा ।

अधिगम: (Learning / Outcome):

शोध के परिणामों से विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार करने में मदद मिलेगी। शोध के परिणामों को प्रकाशित करके, शोधकर्ता ज्ञान को व्यापक रूप से प्रसारित करते हैं, जिससे समाज को लाभ होता है। शोध छात्रों और शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी, जैसे कि आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान, और डेटा विश्लेषण। शोध सामाजिक समस्याओं को हल करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है।

Credits: 2	Core Compulsory/ वैकल्पिकम्
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 55%

Total No. of Lectures-30, Per week (in hours): 2 lectures.

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	शोधस्यार्थः, भेदाः, आवश्यकता एवञ्च महत्त्वम्	15
II	समस्यायाः प्रकृतिः, परिकल्पना शोधप्रविधयश्च	15
III	संस्कृते अनुसन्धानस्याधारभूमयः, नवानुसन्धानदृष्टयः क्षेत्राणि च	15
IV	पाण्डुलिपिपरिचयः, परिभाषाः, स्वरूपः, प्रकाराः, तेषां रक्षणोपायाश्च। मातृकासम्पादनविधिः, पाठालोचनविधिः, पाण्डुलिपिग्रन्थागाराणां परिचयः ग्रन्थानामन्वेषणञ्च।	15

संस्तुतग्रन्थाः

- शोधप्रविधिः पाण्डुलिपिविज्ञानञ्च/संस्कृतविद्यानुसन्धानस्य आधारभूमिः नवसंभावनाश्च, डॉ० एन्० आर्० कण्णन् , प्रकाशन राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, प्रथम संस्करण-2016
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान,प्रो० अभिराजराजेन्द्र मिश्र,अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद, प्रथम संस्करण-2008
- संस्कृत शोध प्रविधि, प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखंभा संस्कृत सीरीज वाराणसी, संस्करण-2017
- शोध प्रविधि, विनयमोहन शर्मा, मयूर पब्लिकेशन, प्रथम संस्करण 1973 & 2018
- अनुसंधान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया,एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण जनवरी-2021
- शोधः स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, संस्करण-2023
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज, 2023